RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MUMBAI TARANG

किसी भी व्यक्ति की सहनशीलता एक खिंचे हुए धागे की तरह होती है, एक सीमा से अधिक खिंचे जाने पर उसका टूटना तय है।

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-42 ❖ मुंबई ❖ रविवार 10 से 16 अक्टूबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

अजित पवार के रिश्तेदारों पर पड़े आयकर विभाग के छापे, राकांपा ने लगाया निशाना बनाने का आरोप

पेज 5

मरीज ही नहीं डॉक्टरों को भी सता रही महामारी-कोरोना में मरीजों को मरते देखा, लगातार ड्यूटी व सिलेबस से बाहर की बीमारी का इलाज करना पड़ा, अब डिप्रेशन में 50 रेजिडेंट डॉक्टर

पेज 7

बॉलीवुड-विवादों से खुद को कोसों दूर रखते हैं ये सितारे, ट्रोल्स भी नहीं ढूंढ पाते कोई कमी

पेज 8

मुम्बई के मेयर हॉल में डॉ कृष्णा चौहान द्वारा "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का सफल और शानदार आयोजन

टीकाकरण महाराष्ट्र सरकार की मुहीम, टीकाकरण के लिए मिशन 'कवच कुंडल

मुंबई, कोरोना निवारण टीका लगाने के लिए महाराष्ट्र सरकार मिशन कवच कुंडल अभियान शुरू करने जा रही है। इसके तहत, 8 से 14 अक्टूबर के बीच प्रतिदिन 15 लाख लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस मिशन के बारे में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि राज्य के पास 75 लाख टीके उपलब्ध हैं और 25 लाख टीके मिलने वाले वाले हैं। सिरिंज और अन्य सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है। अभियान को सफल बनाने के लिए राजस्व, ग्राम विकास, महिला व बाल विकास, शिक्षा, नगर विकास जैसे विभिन्न विभागों का सहयोग लिया जाएगा। टोपे ने दावा किया कि राज्य में टीके की कोई कमी नहीं है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य में सवा नौ करोड़ लोगों को टीके की खुराक देने का लक्ष्य है। इनमें से छह करोड़ लोगों का टीके को खुराक दी गई है। अभी सवा तीन करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाना है। अभियान के दौरान अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण करने का लक्ष्य है। टीकाकरण की गति बढ़ाने के लिए अभियान में समाज के विभिन्न घटकों का सहयोग लिया जाएगा। इनमें इंडियन मेडिकल असोसिएशन, निजी डॉक्टर, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, स्वयंसेवी संस्थाएं शामिल हैं।

गांवों पर जोर

टोपे ने कहा कि बुधवार रात को राज्य के जिला अधिकारियों, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, 654 और तालुका अधिकारियों से विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की और अभियान को लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 15 अक्टूबर तक 100 करोड़ लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य तय किया है। केंद्र ने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमसे पूरा सहयोग मांगा है।

ऐसे में इस अभियान को लागू करने की योजना बनाई गई है। अभियान के तहत ग्रामीण और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण पर जोर दिया जाएगा।

कोरोना मृतकों के परिजन को 50 हजार

टोपे ने कहा कि राज्य में कोविड से जिसकी मृत्यु हो गई, उसके परिवार को सरकार 50,000 रुपये की सहायता देगी। कोरोना के कारण करीब एक लाख 40 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इसके लिए एसडीआरएफ की ओर से करीब 700 करोड़ रुपये मुहैया कराए जाएंगे। कलेक्टर और जिला सर्जन को पोर्टल पर जानकारी भरनी होगी, जिसके बाद मृतकों के परिजन के खाते में सहायता राशि जमा की जाएगी।

आर्यन खान को नहीं मिली जमानत

मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कहा- हमें जमानत पर सुनवाई का अधिकार नहीं, सेशंस कोर्ट जाएं; अब मां गौरी खान के बर्थडे पर भी जेल में ही रहना होगा

शाहरुख खान के बेटे आर्यन की जमानत याचिका खारिज हो गई है। किला कोर्ट ने कहा कि उसे जमानत याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार नहीं है। जमानत के लिए आर्यन को सेशंस कोर्ट में अपील करनी होगी। आर्यन के साथ क्रूज शिप पर ड्रग्स पार्टी करने के आरोप में फंसे अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धमेचा की जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई है। किला कोर्ट में इनकी जमानत याचिका पर शुक्रवार को दोपहर करीब 12.45 बजे सुनवाई शुरू हुई थी, जो 2.15 बजे तक चली। ब्रेक के बाद दोपहर 3 बजे सुनवाई दोबारा शुरू हुई। जांच एजेंसी और बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद किला कोर्ट ने शाम 5 बजे जमानत की याचिका खारिज कर दी।

आर्यन को आर्थर रोड जेल में शिफ्ट किया गया इस बीच NCB ने आर्यन समेत सभी 6 मेल आरोपियों को आर्थर रोड जेल और दोनों फीमेल आरोपियों को भायखला जेल भेज दिया है। आर्यन को क्वारैंटाइन सेल में रखा गया है। वैसे तो उनका RTPCR टेस्ट नेगेटिव आया है, लेकिन जेल की नई गाइडलाइंस के मुताबिक 7 दिन क्वारैंटाइन सेल में रखने का नियम है।

अजित पवार पर इनकम टैक्स रेड के बाद संजय राउत बोले- 'अपना भी टाइम आएगा

मुंबई, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और उनके रिश्तेदारों से संबंधित कंपनियों पर कोई इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी पर संजय राउत बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह छापेमारी चाहे राजनैतिक हो या फिर आयकर विभाग की, सीबीआई की हो या फिर किसी अन्य एजेंसी की। जिस तरह से महाराष्ट्र में छापेमारी का सिलसिला शुरू है, यह निचले दर्जे की राजनीति का परिचायक है।

भविष्य में क्या होगा यह कहा नहीं जा सकता। हो सकता है कि अजित पवार पर राजनैतिक द्वेष के चलते यह कार्रवाई की गई हो। किसी राजनैतिक परिवार पर छापेमारी करके एक प्रकार की दहशत निर्माण करने की कोशिश शुरू है। यह सिलसिला सभी दलों के राजनेताओं पर शुरू है। राउत ने कहा कि यह दिन भी बीत जाएंगे। दिल्ली में हमारे दिन वापस आएंगे, 'अपना भी टाइम आयेगा'।

सोशल मीडिया का दुरुपयोग

संजय ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया का पूरा इस्तेमाल द्वेष फैलाने और निचले दर्जे की राजनीति करने के लिए किया जा रहा है। अपने राजनैतिक विरोधियों को बदनाम करने के लिए इस माध्यम का बखूबी इस्तेमाल किया जा रहा है। जो कोई भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर आवाज उठाने का प्रयास करता है, उसका समर्थन किया जाना चाहिए। दिल्ली से राजनीतिक दबाव डालकर आवाज को दबाने का प्रयास फिलहाल देशभर के गैर बीजेपी राज्यों में शुरू है। केंद्रीय एजेंसियों का भी जमकर बेजा इस्तेमाल शुरु है।

बीएमसी में शिवसेना भगवा लहराएगा

संजय राउत ने दावा किया है कि भले ही जिला परिषद चुनावों में शिवसेना को कम सीटें मिली हों। लेकिन मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में शिवसेना का भगवा लहराएगा। बीएमसी के चुनाव में शिवसेना अपने दम पर मैदान में उतरेगी। शिवसेना एक बड़ा और मजबूत राजनीतिक दल है। हम इस चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीतने की तैयारी में हैं। पांच साल पहले का चुनाव भी हम अपनी ताकत पर जीते थे। मुंबई पर अभी भी शिवसेना का ही राज होगा।

अजित पवार ने क्या कहा

इनकम टैक्स विभाग को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति पर छापेमारी करने का अधिकार है।

लखीमपुर खीरी में किसानों की हत्या के विरोध में 11 अक्टूबर को महाराष्ट्र बंद!

मुंबई, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में किसानों को गाड़ी से कुचलकर मारने के विरोध में महाराष्ट्र महाविकास आघाड़ी ने राज्यव्यापी बंद का एलान किया है। जलसंपदा मंत्री जयंत पाटील, राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात और सार्वजनिक निर्माण मंत्री एकनाथ शिंदे ने संयुक्त पत्रकार परिषद में यह जानकारी दी। जयंत पाटील ने कहा, 'हमने लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के खिलाफ ११ अक्टूबर को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया। वैâबिनेट की बैठक में इस घटना पर खेद भी जताया गया है। वैâबिनेट ने मृतक किसानों को श्रद्धांजलि दी है।

किसानों पर अन्याय का विरोध

'भाजपा भारत में किसानों के प्रति क्रूर है। भाजपा और उसके सत्तारूढ़ राज्य देश के विभिन्न हिस्सों में चल रहे किसान आंदोलन को कुचलने का काम कर रहे हैं। इसका विरोध अत्यंत आवश्यक है, आरोपी को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। जयंत पाटील ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों पर अत्याचार करनेवाले व्यक्ति को खुला छोड़ दिया है। इसका विरोध करना आवश्यक है इसलिए आगामी ११ अक्टूबर को शिवसेना, राष्ट्रवादी, कांग्रेस के अलावा आघाड़ी के मित्र पक्ष की ओर से बंद का एलान किया गया है।

आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी

बंद के दौरान आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। एंबुलेंस, दूध और अन्य जरूरी चीजों की गाड़ियों को छोड़कर यह बंद किया जाएगा। यह बंद सरकार के रूप में नहीं होगा। मैं इस बंद का एलान राकांपा प्रदेश अध्यक्ष, बालासाहेब थोरात विधि मंडल नेता के रूप में और एकनाथ शिंदे शिवसेना की ओर से इस बंद की घोषणा कर रहे हैं। पार्टी की ओर से इस बंद का एलान किया जा रहा है।

गुप्त डांडिया पर पुलिस की नजर!

मुंबई, मुंबई सहित देशभर में कल से नवरात्रि पर्व की शुरुआत हो गई है। कोरोना की पृष्ठभूमि में इस साल का नवरात्रि पर्व साधारण तरीके से मनाना होगा। इसके लिए राज्य सरकार और मनपा ने नियम बनाए हैं। साथ ही पुलिस भी तैयार है। नवरात्रि के मौके पर राज्य भर के सभी पूजा स्थल भी खोल दिए गए, इससे भीड़-भाड़ और तनाव का माहौल बनने की संभावना है। इसलिए इस भीड़ से बचने के लिए सभी धार्मिक स्थलों के बाहर पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। कोरोना को देखते हुए निर्देश दिया गया है कि पिछले साल की तरह पंडालों में भीड़ न लगाएं। मुंबई में गरबा और डांडिया सख्त वर्जित है। हालांकि, गरबा को बंद जगह पर रखने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता क्योंकि पिछले साल की तुलना में प्रतिबंधों में ढील दी गई है। इसलिए ऐसे गुप्त कार्यक्रमों पर पुलिस की नजर रहेगी। हालांकि कोरोना वायरस का प्रसार कम हो गया है लेकिन खतरा पूरी तरह से टला नहीं है इसलिए गणेशोत्सव की तरह नवरात्रि पर भी पाबंदियां लगाई गई हैं। इस पृष्ठभूमि में, मुंबई पुलिस हाई अलर्ट पर है और नवरात्रि के दौरान कड़ी सुरक्षा रखी गई है।

लापरवाहों पर होगी कार्रवाई

मुंबई मनपा और राज्य सरकार ने नियम घोषित कर दिए हैं। इन नियमों का पालन नहीं करने वालों पर मुकदमा चलाया जाएगा। नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए पुलिस की गश्त तेज की जाएगी। बोर्ड अधिकारियों को चेतावनी दी गई है कि अनुमति देते समय नियमों का पालन कराने में सावधानी बरतें। स्थानीय राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सामाजिक संगठनों को भी नियमों के बारे में सूचित किया गया है। होटल-लॉज पर हो रही छापेमारी पिछले महीने दिल्ली पुलिस ने छह संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था और महाराष्ट्र एटीएस ने हाल ही में और तीन को गिरफ्तार किया है।

शरद पवार का वार-लखीमपुर खीरी की तुलना मैंने जलियांवाला बाग से की, इसलिए अजित के रिश्तेदारों पर पड़े आयकर छापे

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने केंद्र सरकार पर फिर निशाना साधा। पवार ने आरोप लगाया कि उन्होंने लखीमपुर खीरी हिंसा की तुलना ब्रिटिश राज में हुए जलियांवाला बाग नरसंहार से की थी, इसके बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के रिश्तेदारों पर आयकर छापे मारे गए।सोलापुर में राकांपा की एक बैठक में पवार ने छापों पर हैरानी जताते हुए कहा कि लोगों को देश में अपनी बात कहने का अधिकार है या नहीं? आयकर छापे इसलिए मारे गए, क्योंकि मैंने लखीमपुरी खीरी की हिंसा को जलियांवाला बाग हत्याकांड से जोड़ दिया था। क्या लोकतंत्र में हमें अपनी बात जनता तक पहुंचाने का अधिकार नहीं है?आधिकारिक सूत्रों ने बताया था कि आयकर विभाग ने गुरुवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के कुछ परिजनों व कुछ रीयल एस्टेट डेवलपर्स पर कर चोरी का आरोप लगाते हुए छापे मारे थे। उनसे जुड़े परिसरों जैसे डीबी रियाल्टी, शिवालिक, जारेंडश्वर सहकारी शुगर कारखाना, अजित पवार की बहनों से जुड़े कारोबारों की भी जांच की गई।इस छापा कार्रवाई से पूर्व शरद पवार ने यूपी के लखीमपुर खीरी मामले, जिसमें आठ लोग मारे गए हैं, की तुलना जलियांवाला बाग हत्याकांड से की थी। पवार ने यह भी कहा था कि जनता को भाजपा को उसकी जगह दिखा देना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार महाराष्ट्र की शिवसेना, कांग्रेस व राकांपा नीत महाविकास अघाडी सरकार (MVA) के लिए संकट पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

जानिए सरकार को एयर इंडिया को क्यों बेचना पड़ा और इसे क्यों कहा जा रहा है घर वापसी?

कई सालों से सरकार की एयर इंडिया के बिक्री की कोशिश आखिर आज पूरी हो गई। एयर इंडिया को आज नया मालिक मिला। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (DIPAM) के सचिव तुहिन कांत पांडे ने बताया कि विमानन कंपनी के लिए टाटा संस ने सबसे अधिक बोली लगाई। टाटा संस ने 18 हजार करोड़ रुपये, जबकि स्पाइसजेट के अजय सिंह ने 15 हजार करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। इसी के साथ 68 साल बाद एयर इंडिया की 'घर वापसी' हुई है। कंपनी ने Talace Pvt Ltd के जरिए बोली लगाई थी। एयर इंडिया स्पेसिफिक अल्टरनेटिव मैकेनिज्म (AISAM) पैनल ने एयर इंडिया की वित्तीय बोली पर फैसला लिया है। इस पैनल में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत कई महत्वपूर्ण मंत्री और अधिकारी शामिल हैं। सरकार को एयर इंडिया को क्यों बेचना पड़ा?एयर इंडिया भारी घाटे में चल रही है। 2018-19 में कंपनी को 4 हजार 424 करोड़ रुपये का ऑपरेशनल घाटा हुआ था। 2017-18 में कंपनी को 1245 करोड़ रुपये का ऑपरेशनल घाटा हुआ। ऐसे में लगातार हो रहे घाटे के चलते कंपनी पर भारी कर्ज हो चुका है। इसी के मद्देनजर इसे बेचनी की जरूरत पड़ी। इससे पहले भी सरकार ने इसे बेचने की कोशिश की थी।इसे एयर इंडिया की घर वापसी क्यों कहा जा रहा है?विमानन कंपनी की 68 साल बाद 'घर वापसी' हुई है। टाटा समूह ने अक्तूबर 1932 में टाटा एयरलाइंस के नाम से एयर इंडिया की शुरुआत की थी। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद एक राष्ट्रीय एयरलाइंस की जरूरत महसूस हुई। ऐसे में भारत सरकार ने एयर इंडिया में 49 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया। इसके बाद 1953 में भारत सरकार ने एयर कॉर्पोरेशन एक्ट पास किया और फिर टाटा समूह से इस कंपनी में बहुलांश हिस्सेदारी खरीद ली। फिर इसे एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बना दिया गया। इसी के साथ 68 सालों के बाद एयर इंडिया की टाटा ग्रुप में घर वापसी हो गई है। अगस्त 2021 तक एयर इंडिया के पास 16,000 से अधिक कर्मचारी थे। इनमें से 9617 स्थायी कर्मचारी हैं, जिन्हें ग्रैच्युटी के साथ अन्य लाभ मिलता है। एयर इंडिया की बिक्री के साथ टाटा संस को एयर इंडिया के कर्मचारियों की ग्रेच्युटी आदि की जिम्मेदारी भी ट्रांसफर हो गई है।

संपादकीय

सौ साल की मेहनत

यह अपने खौफनाक रूप में नजर न आता हो, लेकिन एक समय था, खासकर 50 का दशक जब भारत में भी सालाना मलेरिया के सात करोड़ से ज्यादा मामले सामने आते थे और आठ लाख तक मौतें दर्ज की जाती थीं। अब भारत में उतना बुरा हाल नहीं है लेकिन दुनिया भर में अब भी इससे हर

बीमारियों के खिलाफ चलने वाले मनुष्यता के सतत संघर्ष में एक अहम पड़ाव बुधवार को तब आया, जब डब्ल्यूएचओ ने मलेरिया के टीके आरटीएसएस को अपनी मान्यता दे दी। वैसे तो भांति-भांति के विषाणुओं और जीवाणुओं पर काम करने वाले कई टीके पहले से मौजूद हैं, लेकिन यह पहला मौका है जब डब्ल्यूएचओ ने ह्यूमन पैरासाइट के खिलाफ किसी टीके के व्यापक उपयोग की सिफारिश की है। इसकी वैज्ञानिक अहमियत इस बात से समझी जा सकती है कि रिसर्चर्स पिछले सौ साल से इस बीमारी का प्रभावी टीका बनाने की कोशिश में लगे थे। मलेरिया से हमारा वास्ता लंबे समय से पड़ता रहा है और तमाम उपायों की बदौलत आज भले

साल करीब चार लाख मौतें होती हैं। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव अफ्रीकी देशों में है। वहां पांच साल से कम उम्र के बच्चे इसका सबसे ज्यादा शिकार बनते हैं। हालांकि इससे बचाव के उपाय भी कम नहीं किए जाते। 2019 में ही मलेरिया नियंत्रण व उन्मूलन पर तीन अरब डॉलर खर्च किए गए। मगर इसके बावजूद इन देशों में मलेरिया का आतंक कायम है। निश्चित रूप से उन इलाकों के लोगों के लिए यह टीका वरदान बनकर आया है। फिर भी सारी उम्मीदें इसी पर टिका देना समझदारी नहीं होगी। वैसे पायलट प्रोग्राम के दौरान इसके नतीजे उत्साहवर्धक रहे हैं, लेकिन फिर भी इसकी अपनी सीमाएं हैं। पहली बात तो यह समझने की है कि मलेरिया पैरासाइट के सौ से अधिक प्रकार हैं। आरटीएसएस टीका इनमें से एक प्लाज्मोडियम फाल्सिपैरम पर ही कारगर है, हालांकि यही सबसे खतरनाक माना जाता है और अफ्रीकी देशों में सबसे ज्यादा प्रकोप भी इसी का होता है। दूसरी बात यह कि इस वैक्सीन के प्रभावी होने के लिए हर बच्चे को इसका चार डोज देना जरूरी होगा।इनमें से पहले तीन डोज क्रमश: पांच, छह और सात महीने की उम्र में तो चौथा डोज 18वें महीने में देने की जरूरत होगी। दूरदराज के इलाकों में बच्चों को समय से चारों डोज लगाना व्यवहार में आसान नहीं होगा। वैसे, अच्छी योजना बनाकर इस मुश्किल का हल निकाला जा सकता है। मलेरिया की नई दवाओं को लेकर भी हाल कोई अच्छा नहीं रहा। इस तरह के आरोप लगे कि दवा कंपनियों को खासतौर पर गरीब मुल्कों की इस बीमारी में बड़ा मुनाफा नहीं दिखा, इसलिए उन्होंने मलेरिया की नई दवाएं नहीं बनाईं। जिस तरह से बच्चों की खातिर यह टीका आया है, कुछ वैसी ही पहल इस बीमारी की नई दवा बनाने को लेकर भी होना चाहिए।

संभलती हुई इकॉनमी

किरीट ए. चावड़ा

चौतरफा चुनौतियों से जूझकर उबरती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मंगलवार को यह राहत देने वाली खबर आई कि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने इसका सॉवरेन आउटलुक नेगेटिव से स्टेबल कर दिया है। एजेंसी ने हालांकि सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में कोई बदलाव न करते हुए पहले वाला बीएए3 दर्जा ही बरकरार रखा है, जो सबसे निचला इनवेस्टमेंट ग्रेड है। सॉवरेन आउटलुक में बदलाव उन प्रयासों और उनसे मिल रहे पॉजिटिव नतीजों को देखते हुए किया गया है, जिनसे गुजरती भारतीय अर्थव्यवस्था ने तमाम चुनौतियों को पीछे छोड़कर फिर से उठ खड़े होने का जज्बा दिखाया है। रेटिंग एजेंसी के आकलन में वित्तीय क्षेत्र की बेहतर होती स्थिति को तो रेखांकित किया ही गया है, यह भी कहा गया है कि इकॉनमी के तमाम सेक्टर्स में रिकवरी की रफ्तार उससे तेज रही, जितनी अपेक्षा की जा रही थी। इसी वजह से यह उम्मीद भी जताई गई है कि वास्तविक जीडीपी इसी साल महामारी के पहले के स्तर को पार कर जाएगी। गौर करने की बात है कि इन पॉजिटिव बदलावों के पीछे उन कुछेक ठोस कदमों की बड़ी भूमिका रही, जो वित्तीय तंत्र की कमियों को दूर करने के

मकसद से इस बीच उठाए गए। उदाहरण के लिए बैंकों पर बढ़ता एनपीए (नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स) का बोझ पिछले कई वर्षों से एक बड़ी समस्या के रूप में चिह्नित किया जाता रहा है। अब अगर इस मोर्चे पर भी हालात को बेहतर होता बताया जा रहा है तो उसके पीछे एक वजह यह भी है कि नए कानूनों की मदद से वित्तीय व्यवस्था मजबूत हुई है और कर्ज भी पहले की तुलना में कहीं आसानी से मिल रहा है। हालांकि सरकारी खजाने पर दबाव की समस्या बनी हुई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि जैसे-जैसे आर्थिक माहौल बेहतर होगा, सरकार के लिए वित्तीय घाटा कम करने वाले कदम उठाने की गुंजाइश बढ़ेगी और हालात काबू में आते जाएंगे। जोखिम का एक बड़ा स्रोत कोरोना वायरस का संक्रमण भी रहा है। इसकी दूसरी लहर ने उठती हुई अर्थव्यवस्था को एक बार फिर पीछे धकेल दिया था। मगर उसके बाद टीकाकरण की तेज मुहिम की बदौलत तीसरी लहर की आशंका काफी कम करने में कामयाबी मिली है। माना जा रहा है कि तीसरी लहर आई भी तो उसका स्वरूप वैसा विनाशकारी नहीं होगा, जैसा कोरोना की दूसरी लहर का था। इस विश्वास ने आर्थिक रिकवरी को रफ्तार देने में अहम भूमिका निभाई है। बहरहाल, हमें ध्यान रखना होगा कि न तो कोरोना के खतरे का पूरी तरह खात्मा हुआ है और न ही इकॉनमी पूरी तरह उबरी है। जैसे टीकाकरण की रफ्तार बनाए रखनी है, वैसे ही इकॉनमी के मोर्चे पर भी लगातार प्रयास जारी रखने होंगे। सबसे बड़ी चुनौती अब भी रोजगार के अधिक से अधिक मौके उपलब्ध कराने की है ताकि मांग बढ़े और इकॉनमी का चक्का रफ्तार पकड़े।

जिगर डी वाढेर

क्या हिंसक होती जा रही आंदोलन की राजनीति?

राजनीति का लक्ष्य जब से सिर्फ सत्ता प्राप्ति तक सीमित हो गया है, तब से हर मुद्दे के पीछे राजनीति ही देखी जाने लगी है। आम लोग भी अब यह समझते हैं कि जहां चुनाव करीब होंगे, वहां के मुद्दों को राजनीतिक आंच पर पकाया जाएगा। आग में घी की तरह उन संवेदनशील मुद्दों को भी डाला जाएगा, जिनसे लोकहित को नुकसान पहुंच सकता है। दल या व्यक्ति विशेष के राजनीतिक फायदों के लिए उछाले जाने वाले मुद्दों को भी लोक, समाज और राष्ट्रहित के मुलम्मे में पेश किया जाएगा। लखीमपुर खीरी की त्रासद घटना के बाद भी ऐसी ही कोशिश हो रही है। नजर चुनावों पर उत्तर प्रदेश में कुछ महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। लखनऊ की सत्ता पर कब्जे के लिए तमाम राजनीतिक दल अपने-अपने समर्थक आधार के लिहाज से मुद्दे तलाशने-बनाने और उछालने में जुट गए हैं। ऐसे माहौल में लखीमपुर की घटना ने उन्हें मुफीद मौका दे दिया है। स्वाधीन भारत में मान्यता रही है कि दिल्ली के तख्त की राह उत्तर प्रदेश से ही गुजरती है। विपक्ष को लगता है कि अगर उसने बीजेपी को अवध, पूर्वांचल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और रूहेलखंड की धरती पर मात दे दी तो दिल्ली के तख्त पर मजबूती से जमी सत्ता को उखाड़ फेंकना उनके लिए आसान होगा। यही वजह है कि लखीमपुर की आग पर राजनीतिक रोटी सेंकने की मियाद बढ़ने की आशंका है। हालांकि घटना के फौरन बाद जिस तरह योगी सरकार ने कार्रवाई की और जैसे कदम उठाए, उससे फिलहाल मामला शांत होने की ओर बढ़ता दिख रहा है। चाहे मारे गए किसानों के परिजनों को 45-45 लाख रुपये का मुआवजा देना हो, हाईकोर्ट के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश से मामले की जांच कराने का फैसला हो या फिर केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र के आरोपी बेटे पर केस दर्ज करना, योगी सरकार ने इन फैसलों के जरिए मामले को संभालने की कोशिश की। फिर भी इस घटना ने कुछ गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आखिर इस उग्र घटना को भांपने में उत्तर प्रदेश पुलिस और उसकी स्थानीय खुफिया व्यवस्था नाकाम क्यों रही? अतीत में किसान आंदोलन उत्पात कर चुका है। इसलिए यह भी नहीं कहा जा सकता कि प्रशासन को इन घटनाओं का अंदेशा नहीं था। कृषि कानून का समर्थक खेमा बार-बार यह आशंका जताता रहा है कि किसान आंदोलन की आड़ में असामाजिक तत्व अप्रिय घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। इसके मद्देनजर प्रशासन को जिस स्तर पर अलर्ट होना चाहिए था, कम से कम लखीमपुर खीरी में वैसा नहीं दिखा। अगर प्रशासन अलर्ट होता तो इस अप्रिय घटना को टाला जा सकता था। मोदी कैबिनेट से हो सकती है अजय मिश्रा टेनी की विदाई, गृह मंत्रालय ने टाला कार्यक्रम दूसरी बात यह कि चाहे मारे गए किसान हों, स्थानीय पत्रकार रमण कश्यप हों या हिंसा का शिकार हुए अन्य लोग, वे सब इसी देश के नागरिक थे। लोगों के बीच मतभिन्नताएं हो सकती हैं, किसी मसले पर उनके अलग-अलग विचार हो सकते हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि विचारों की भिन्नता को लेकर किसी की हत्या कर दी जाए। राजनीति बार-बार दावे करती है कि उसका लक्ष्य व्यापक लोक हित का ध्यान रखना है। यही वजह है कि गोविंदाचार्य ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे इस घटना का राजनीतिक फायदा उठाने के बजाय मामले को ठंडा करने की सोचें। लेकिन अपने-अपने फायदे की चाशनी देख रही राजनीति को गोविंदाचार्य के शब्द क्यों लुभाते? संविधान को स्वीकृति दिए जाने के दिन संविधान सभा में डॉक्टर आंबेडकर ने साफ कहा था कि आजाद भारत में आंदोलन और धरने आदि से बचना होगा। उनके हिसाब से आजादी मिलने के साथ ही उनकी उपादेयता खत्म हो गई थी। राजनीति आंबेडकर को तो खूब याद करती है, लेकिन उनके इन शब्दों को याद करना नहीं चाहती। शायद राजनीति समझती है कि अगर वह ऐसी घटनाओं का फायदा नहीं उठाए तो अप्रासंगिक हो जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने किसान कानूनों के बारे में दायर याचिका की सुनवाई करते हुए ठीक ही कहा है कि जब भी लखीमपुर जैसी घटनाएं होती हैं, तो उनकी जिम्मेदारी लेने के लिए कोई आगे नहीं नहीं आता। लखीमपुर की आठ जानों के बदले में चाहे जितना भी मुआवजा मिले, सामाजिक संगठन चाहे जितनी मोटी रकम जुटा लें, पर बड़ी से बड़ी रकम भी किसी जिंदगी के बराबर नहीं हो सकती। जो इस घटना में मारे गए हैं, भविष्य में उनकी कमी की कीमत उनके परिवार चुकाएंगे। तब ना तो राजनीति नजर आएगी, ना ही प्रशासन।

45 लाख मुआवजा, 8 दिनों में गिरफ्तारी, रिटायर्ड जज से जांच और नौकरी... लखीमपुर कांड में प्रशासन और किसानों में समझौता आज की लड़ाइयां छवियां बनाने और बिगाड़ने की भी लड़ाइयां हो गई हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में सबका अपने हिस्से का सच है। इसी परिपाटी के मुताबिक किसान संगठन अपना सच दिखा रहे हैं और दूसरा पक्ष उन्हें अधूरा बता रहा है। इसी तरह आरोपी पक्ष अपना सच दिखा रहा है और किसान संगठन इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। लेकिन जिस तरह हिंसा हुई है, गिरे पड़े लोगों को बेरहमी से पीटा जा रहा है, उसे राजनीति और आंदोलन तो कहा ही नहीं जा सकता। यह निर्मम हत्याओं का मामला है और इस मामले में कानून को अपना काम करना चाहिए। योगी सरकार ने ठीक ही हाईकोर्ट के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश से पूरे मामले की जांच कराने का फैसला किया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जांच में पूरे तथ्य सामने आएंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। महज कानून व्यवस्था नहीं आखिर में एक और बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह पूरा घटनाक्रम सिर्फ कानून व्यवस्था का मामला न समझ लिया जाए। इसके गहरे निहितार्थों, लक्ष्यों और दूरगामी प्रभावों का भी खयाल किया जाना चाहिए। तभी भविष्य में ऐसी घटनाओं को होने से रोका जा सकेगा। किसान संगठनों को भी सावधान रहना होगा कि उनके समर्थक हिंसक ना हों। हिंसा अंतत: हर पक्ष के लिए नुकसानदायक होती है। लेकिन लाख टके का सवाल है कि बक्कल उतारने की भाषा का इस्तेमाल करने वाला किसान आंदोलन का नेतृत्व इस तथ्य को समझने की कोशिश करेगा?

हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने में बाधक तत्त्व और उनका समाधान

भूपेन्द्र पटेल

हिन्दी को राजभाषा की गद्दी पर बिठाकर भी हम उसे राष्ट्रभाषा या लोक- संपर्क की भाषा बनाने में आजतक सक्षम नहीं हो पाए हैं। हिन्दी-बहुल राज्यों को छोड़ बाकी सभी जगहों में जहाँ प्रांतीय भाषाएँ बोली जाती हैं, अंग्रेजी ही राजकार्य में सहयोगी भाषा है। स्वतंत्रता-संग्राम के समय हिन्दी केवल नेहरू, गाँधी, तिलक, सुभाष आदि की नहीं, आम आदमी की भाषा थी। फिर भी आज तक इसकी अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। आज भी अंग्रेजीदां लोग श्रेष्ठता और हिंदीभाषी लोग सामान्यतया हीनता की ग्रंथि से ग्रस्त प्रतीत होते है। इस सच्चाई से कतराया नहीं जा सकता कि 'कॉन्वेंट प्रॉडक्ट' और 'हिन्दी मीडियम' के बीच एक मनोवैज्ञानिक दूरी है। और ऐसे में हिंदी की वर्षगाँठ पर जब हिन्दी लहर शुरू होती है तो लगता है कि हिन्दी-प्रेम विश्वासजनित प्रेम नहीं, लबादे की तरह ओढ़ा हुआ दिखावा मात्र है, जिसे मौका मिलते ही हम झटक देना चाहते है। दरअसल, इसका एक बड़ा कारण है- हिन्दी का संस्कृत- भरा तत्सम रूप जो सिर्फ भाषाई पंडितों को रास आता है, आम आदमी को नहीं। वह साहित्य और लेखन की भाषा है- नदी किनारे की मिट्टी से दूर बीच धार के स्वच्छ शुद्ध जल की तरह।

किन्तु इस्तेमाल तो तट के पानी का ही किया जाता है। इसे हिंदी का तद्भव रूप कहना उचित होगा जिसमें उर्दू, अरबी, फारसी, अंग्रेजी और तमाम भाषाओं के शब्द मिले हुए हैं। यही हिन्दी आम आदमी की बातचीत की भाषा रही है। मगर हिन्दी का एक शुद्धिकरण अभियान चल रहा है, जारी की जा रही सरकारी विज्ञप्तियों, कुछ कानूनों के हिंदी अनुवाद और आदेशों की भाषा में संस्कृत का अपूर्व पांडित्य और विकट शब्दचातुर्य दिखता है, हिंदी में विचित्र काट-छाँट कर तोड़-मरोड़कर, पेंचदार भाषा में अजीब रूप में पेश किया जा रहा है। राष्ट्रभाषा के विकास के नाम पर अपनी हिन्दी देवभाषा सोपान (सीढ़ियाँ) चढ़ती दिखाई देती है जो हिन्दी की लोकप्रियता के लिये निश्चित रूप से खतरनाक सिद्ध होगा। अगर इसे कठिन क्लिष्ट रूप में लोगों के समक्ष परोसा जायेगा तो यह अरूचिकर प्रतीत होगा ही। जब भी हिंदी के विकास के नाम पर संस्कृत के कठिन दुरूह शब्दों को हिन्दी के नाम पर परोसा जाएगा, अहिन्दी भाषी लोगों द्वारा हिंदी का विरोध होगा। अतः आवश्यक है कि हिन्दी को लोकप्रिय बनाने के क्रम में हम हिंदी को सरल और सुगम रूप में प्रस्तुत और प्रचारित करें, संस्कृत का कम- से- कम प्रयोग करें। जब राष्ट्रभाषा के विकास की बात करें तो हिंदी का विकास करें, देवभाषा का नहीं। हिन्दी राजभाषा है, सहज स्वीकार्य है। किन्तु संस्कृत राजभाषा नहीं है। वह देवभाषा के रूप में ऐच्छिक भाषा ही रहनी चाहिये। अतः नीति निर्धारकों को पहले यह निर्णय लेना होगा कि राजभाषा कौन है- हिंदी या संस्कृत ? राष्ट्रभाषा किसे बनाना है – हिंदी को या संस्कृत को ?संस्कृत के पंडितों को यह नापसंद होगा मगर हिंदी को राष्ट्रभाषा की जगह दिलाने के लिए यह नियंत्रण अति आवश्यक है। ध्यान रखें कि देवभाषा संस्कृत हिंदी

यानी राष्ट्रभाषा के ऊपर हावी न हो जाए । हिन्दी तो सहज ग्रहण करने वाली सुगम भाषा है। हिन्दी की प्रतिष्ठा जननी की भाँति है। हिन्दी को सबल बनाना, उसे सहज गति से विकसित होने देना है, हीनता की ग्रंथि से मुक्ति पाकर उसे प्रोत्साहन देना है। हिंदी के विकास में बाधक दूसरा बड़ा कारण है- नेता तथा उच्च वर्ग की दोहरी नीति। कॉन्वेंट और अंग्रेजी को पानी पी- पीकर कोसनेवाला स्थानीय नेता अपने बच्चों को अंग्रेजी में तुतलाते देखकर उसकी बलैया लेता है, जुगाली करता हुआ 'एक्सीडेंट' की जगह 'स्टूडेंट', 'सॉरी' की जगह 'थैंक्यू' और 'गुड' की जगह 'माई गुडनेस' कहकर अपनी स्थिति हास्यास्पद बना लेता है। थोड़ी चर्चा उच्च वर्ग की भी उचित होगी। अंग्रेजी का पोषक यही वर्ग है। नेता तो जनता के प्रति उत्तरदायी होने के कारण कम से कम हिन्दी प्रेम की बात करते हैं। पर इस वर्ग के समक्ष ऐसी कोई समस्या नहीं होती। हश्र- ये अंग्रेजी से चिपके रहते है। उनके बच्चे ए.बी.सी.डी. पहले सीखते हैं, क, ख, ग, बाद में। नर्सरी राइम पहले, कविता पीछे। डर लगता है कि भारतीय बच्चे को कहीं हिन्दी का रोग न लग जाय। इसीलिए बचपन से ही अंग्रेजी का टीका लगा दिया जाता है। बचपन से प्रौढ़ अवस्था तक वे अंग्रेजी के ही पिछलग्गू बने रहते हैं। आम जनता से संपर्क का अभाव, नगरीय सभ्यता में ही सदा पलते रहने के कारण वे जमीन से जुड़ नहीं पाते। जनता तो अपने नेता का अनुकरण करती है। नेता तथा उच्च वर्ग सच्चे मन से हिंदी की सेवा करे तो जनता भी उनका अनुकरण करेगी। राष्ट्रभाषा का तीसरा बाधक तत्व है- हिन्दी में तकनीकी पाठ्य- पुस्तकों का अभाव। जहाँ एक और मध्य युगीन मुगलिया और इस्लामिक शासन के प्रभाव से हमारे अदालती दस्तावेज, जमीन के कागज और सिनेमा के गाने उर्दू- फ़ारसी शब्दों से भरे हुए हैं वहीं दूसरी और अंग्रेजी शासन के प्रभाव से हमारा संविधान, सभी तरह के क़ानून और उच्च शिक्षा हेतु तकनीकी विषयों की पाठ्य-पुस्तकें अंग्रेजी में ही उपलब्ध हैं। तकनीकी विषयों जैसे चिकित्सा, अभियंत्रण, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, खाता- बही लेखा, प्रबंधन, आदि – सब की पढ़ाई अंग्रेजी में ही होती है। मेडिकल की पढ़ाई के बाद शपथ से लेकर ऑपरेशन थिएटर का पूरा परिवेश- दवा, सिरिंज से लेकर ऑपरेशन की प्रक्रिया तक- सबकुछ अंग्रेजी के शब्दों से ही संपन्न होता है।

विचार का विषय यह भी है कि अदालतों के अनगिनत पृष्ठों वाले विद्वतापूर्ण निर्णय तो अंग्रेजी में ही होते हैं जिनमें ग्रीक- लैटिन के ढेर सारे शब्द हीरे-मोती जैसे जड़े होते हैं। आजकल उच्च न्यायालयों में 1000 से अधिक पृष्ठों के अंग्रेजी 'काउंटर- एफिडेविट' भी जनता को बनाने पड़ रहे हैं। तो क्या हम अदालतों, अस्पतालों तकनीकी कॉलेजों में गीता या रामायण जैसी संस्कृत की भाषा का प्रयोग करेंगे। कहीं 'ब्रेन-ड्रेन' या प्रतिभा का पलायन और बढ़ तो नहीं जाएगा ? हिन्दी का विकास करने के लिये इन सभी मुद्दों पर गंभीर विचार और प्रयास की आवश्यकता है। अंग्रेजी आज न केवल एक समृद्ध और परिष्कृत अंतरराष्ट्रीय भाषा है बल्कि उच्च कोटि के रोजगार की भी भाषा है। सामान्य जन को ज्ञान-विज्ञान की झलक गूगल और यू-ट्यूब आदि द्वारा भी अंग्रेजी की खिड़की से ही मिल रही है। आवश्यक है कि तकनीकी विषयों जैसे चिकित्सा, अभियंत्रण, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, प्रबंधन जिनकी पुस्तकें हिन्दी में उपलब्ध नहीं है और जिनकी नितांत जरुरत है, उनका सरल हिंदी अनुवाद करवाएँ ताकि भारतीयों को अपनी भाषा में उच्च शिक्षा दी जा सके। आजकल अनुवाद के कई साधन- गूगल ट्रांसलेट, माईक्रोसोफ्ट अनुवादक, ट्रानित, सेहाई, टेक्स्ट ग्रैबर, माई लिंगो, ट्रिप लिंगो आ गए हैं जिनका भरपूर सदुपयोग करना है (यह अलग बात है कि ये भी अंग्रेजी ऐप या गूगल आदि से डाउनलोड करने होते हैं)। इतना ही नहीं, यूनिकोड जैसे सरल प्रोग्राम तथा माइक्रोफोन लगाकर बोलकर लिखनेवाला साधन भी अब सहज उपलब्ध है जिससे हिंदी में लिखना अब आसान हो गया है।

अजित पवार के रिश्तेदारों पर पड़े आयकर विभाग के छापे, राकांपा ने लगाया निशाना बनाने का आरोप

मुंबई। आयकर विभाग ने गुरूवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े चीनी कारखानों, भवन निर्माताओं और उनके रिश्तेदारों के ठिकानों पर छापेमारी की है। राज्य में पुणे, मुंबई और सातारा के साथ गोवा में भी छापेमारी की गई है। इससे नाराज अजित पवार ने सवाल किया कि मेरी बहनों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वे और उनसे जुड़ी संस्थाएं नियमित रूप से टैक्स भरतीं हैं क्योंकि राज्य का वित्त मंत्री होने के चलते उन्हें इसकी अहमियत का अंदाजा है। जरंडेश्वर चीनी मिल के साथ दौंड शुगर, आंबलिक शुगर, नंदुरबार चीनी मिल के साथ कुछ बिल्डरों पर भी कार्रवाई की सूचना है। जिन पर छापे मारे गए हैं सभी अजित पवार के करीबी हैं। इसके अलावा आयकर विभाग के अधिकारियों ने अजित पवार की बहन विजया पाटील की कोल्हापुर स्थित मुक्ता पब्लिकेशन से जुड़े कागजात की भी जांच की है। अजित पवार ने खुद इस बात की पुष्टि की है कि पुणे में रहने वाली उनकी दो बहनों और कोल्हापुर में रहने वाली एक बहन के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय मनी लांडरिंग के आरोप में जरंडेश्वर कारखाने से जुड़ी 65 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर चुकी है।

अजित का सवाल, बहनों पर निशाना क्यों?

अजित पवार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह सच है कि मुझसे संबंधित कुछ फर्मों पर आयकर विभाग ने छापा मारा है। यह उनका अधिकार है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि छापे राजनीतिक मकदस के लिए मारे जा रहे हैं या उन्हें कुछ अधिक जानकारी चाहिए। लेकिन मैं इस बात से दुखी हू कि मेरी तीन बहनों से संबंधित परिसरों पर छापेमारी की गई है। अगर वे मेरी बहनें हैं इसलिए छापेमारी की गई है तो राज्य के लोगों को सोचना चाहिए कि केंद्रीय एजेंसियों का किस स्तर पर दुरुपयोग हो रहा है।

केंद्रीय जांच एजेंसियों से नहीं डरते-मलिक

राकांपा के प्रवक्ता और राज्य के अल्पसंख्यक विकास मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि ईडी, एनआईए और एनसीबी जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल महाराष्ट्र सरकार और राज्य के नेताओं के खिलाफ किया जा रहा है लेकिन हम इससे घबराएंगे नहीं। जो हालात पश्चिम बंगाल में बनाए गए थे। केंद्र सरकार वैसे ही हालात महाराष्ट्र में पैदा करने की कोशिश कर रही है।

जरंडेश्वर का असली मालिक कौन-सोमैया

भाजपा नेता किरीट सोमैया कहा है कि सातारा स्थित जरंडेश्वर चीनी मिल का असली मालिक और लाभार्थी कौन है अजित पवार को इसका खुलासा करना चाहिए। अजित पवार ही इस छापेमारी के बारे में ज्यादा जानकारी दे सकते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि अगर आपने पाप किया है। घोटाला किया है तो इसे स्वीकार कीजिए। जांच एजेंसियां किसी निर्दोष व्यक्ति को परेशान नहीं कर सकतीं।

लखीमपुर खीरी हिंसा । मंत्रिमंडल ने दी मृत किसानों को श्रद्धांजलि, विरोध में 11 अक्टूबर को महाराष्ट्र बंद करने का फैसला

मुंबई। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी हिंसा में किसानों की हुई मौत की घटना पर राज्य मंत्रिमंडल ने खेद प्रकट करने का प्रस्ताव किया। बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्रियों ने मृत किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री जयंत पाटील ने बताया कि महाविकास आघाड़ी ने लखीमपुर खीरी हिंसा के विरोध में 11 अक्टूबर को महाराष्ट्र बंद करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस बंद को राज्य सरकार की ओर से नहीं बल्कि महाविकास आघाड़ी के तीनों दलों ने मिलकर बुलाया है। उस दिन राज्य में अति आवश्यक सेवा को छोड़कर बाकी सभी गतिविधियों का बंद रखा जाएगा। पाटील ने महाराष्ट्र बंद में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने की अपील भी की है।

ओसीडब्ल्यू के इंजीनियर के घर में चोरी, लाखों का माल उड़ाया

नागपुर। कोराडी क्षेत्र में ओसीडब्ल्यू के इंजीनियर के मकान में चोर ने नकदी व गहने सहित एक लाख 7 हजार रुपए के माल पर हाथ साफ कर दिया। चोर ने मकान में रसोईघर के दरवाजे की कुंडी तोड़कर प्रवेश किया और बेडरूम में रखी अलमारी से गहने व नकद 16 हजार रुपए समेट ले गया। मनपा के लक्ष्मीनगर जोन में ओसीडब्ल्यू में कार्यरत इंजीनियर महेश मांडवकर ने कोराडी थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। घटना के समय परिवार के सभी लोग बाहर गए हुए थे। कीर्तिकर सोसाइटी, आर्य नगर में ठाकुर आटा चक्की के पास रहने वाले महेश मांडवकर (37) ने पुलिस को बताया कि, उनकी मां बुआ के घर नांदा गई थी। पत्नी मायके गई थी। गत 4 अक्टूबर को वह और बहन मकान को ताला लगाकर अपनी-अपनी ड्यूटी पर चले गए। इस दौरान मकान के पीछे के दरवाजे में लगी ग्रिल खोलकर चोर ने अंदर प्रवेश किया। पश्चात रसोईघर के दरवाजे की कुंडी तोड़कर अंदर घुसा। ड्यूटी से घर लौटने पर महेश को घर में चोरी होने की बात पता चली। सहायक पुलिस उप-निरीक्षक सुधीर बघेल ने मामला दर्ज किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

उधर शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म किए जाने का मामला मंगलवार की रात हुड़केश्वर पुलिस ने दर्ज किया। आरोपी फरार है। पीड़ित 30 वर्षीय महिला है, जो पति से अलग अपनी मां के साथ रहती है। एक क्लीनिक में रिसेप्निशस्ट थी। लॉकडाउन में बेरोजगारी के दौरान उसकी नरसाला में निजी प्रतिष्ठान में काम करने वाले नीलविहार कॉम्पलेक्स निवासी योगेश चौधरी (30) से पहचान हुई। योगेश शादीशुदा है। उसने यह बात पीड़िता से छुपाई और उससे शादी करने का वादा किया और उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता को योगेश शादीशुदा होने के बारे में पता चलने पर उसने आहत होकर पुलिस से शिकायत की।

जूनियर इंजिनियरों ने दी थी 20 लाख रुपये की सुपारी

मुंबई, 29 सितंबर को बोरिवली में एक जूनियर इंजिनियर दीपक खांबित पर हुई गोलीबारी में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस कमिश्नर हेमंत नगराले ने बुधवार को बताया कि इस शूटआउट के लिए शूटरों को 20 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी। अजय सिंह और अमित सिन्हा नामक आरोपियों को भदोई और गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया। इन दोनों की सुपारी श्रीकृष्ण मोहिते और यशवंत देशमुख नामक जूनियर इंजिनियरों ने दी थी। दीपक खांबित, श्रीकृष्ण मोहिते और यशवंत देशमुख तीनों मीरा-भाईंदर से जुड़े हैं। इस शूटआउट के बाद मीरा-भाईंदर, वसई-विरार के सीपी सदानंद दाते ने जांच के लिएएक विशेष टीम बनाई। इस टीम में हितेंद्र विचारे, बडाक जैसे अधिकारियों को भी रखा गया। मुंबई पुलिस ने भी समानंतर जांच की। दोनों शूटर बाइक पर आए थे और उन्होंने दो राउंड गोलियां चलाई थीं।

गलतफहमी से नहीं हो सकते 8 साल तक किसी के साथ संबंध, रेप के आरोपी को अग्रिम जमानत

मुंबई। यदि आरोपी व पीडिता के संबंध लगातार आठ वर्षों तक जारी रहते हैं तो यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि संबंध गलतफहमी के चलते बने थे। बांबे हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक आरोपी को अग्रिम जमानत प्रदान करते हुए यह बात कही है। पीडिता ने आरोपी के खिलाफ नाशिक के उपनगर पुलिस स्टेशन में साल 2019 में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म व एट्रासिटी कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। चूंकि निचली अदालत ने आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसलिए आरोपी ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया था। हालांकि कोर्ट ने आरोपी को अंतरिम राहत प्रदान की थी। न्यायमूर्ती एस.एस शिंदे व न्यायमूर्ति एनजे जमादार की खंडपीठ ने इस मामले को लेकर गुरुवार को अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि इस मामले में आरोपी व पीड़िता के बीच लगातार आठ सालों तक संबंध जारी रहे। इसलिए यह निष्कर्ष निकालना कठिन है

कि आरोपी व पीड़िता के संबंध तथ्यों की गलतफहमी के चलते बने थे। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पहलू को अपने एक फैसले में स्पष्ट किया है। सुनवाई के दौरान खंडपीठ को बताया गया कि आरोपी व पीड़िता का एक स्कूल में परिचय हुआ था। पहले से शादीसुदा पीड़िता वहां क्लर्क के रुप में काम करती थी। इस दौरान आरोपी ने उससे कहा कि वह उससे विवाह करेगा। इसलिए पीड़िता अपने पति से अलग हो गई और आरोपी के साथ रहने लगी। आरोपी ने पीड़िता को आश्वासन दिया था कि वह उससे विवाह करेगा। लेकिन बाद में वह अपने वादे से मुकर गया। पीड़िता के वकील ने कहा कि आरोपी ने पीड़िता की सहमति के बिना संबंध बनाए है। इसके बाद दूसरी महिला से विवाह कर लिया है। इस बीच पीड़िता को गर्भपात भी कराना पड़ा। सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज मोहिते ने कहा कि यह पूरा मामला कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। मेरे मुवक्किल व पीड़िता के बीच व्यवसायिक विवाद था। पहले दुष्कर्म का आरोप नहीं लगाया गया था। बाद में पुलिस को दिए गए पुरक बयान में पीड़िता ने आरोपी पर दुष्कर्म व भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं के तहत आरोप लगाया जो की विश्वसनीय नहीं है। मेरे मुवक्किल व पीड़िता के बीच लगातार आठ सालों से संबंध थे। उन्होंने गर्भपात के आरोपों का खंडन किया। इसलिए मेरे मुवक्किल को जमानत मिलनी चाहिए। मामले से जुड़े तथ्यों पर गौर करने के बाद खंडपीठ ने पाया कि आरोपी राहत पाने का हकदार है। इसलिए उसे सशर्त अग्रिम जमानत प्रदान की जाती है। लेकिन वह मामले से जुड़े सबूतों के साथ छेड़छाड न करे। इसके साथ ही मुकदमे की सुनवाई के दौरान उपस्थित रहे। वह अपना पासपोर्ट न्यायाधीश के पास जमा करे।

बेलतरोड़ी क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

बेलतरोड़ी इलाके में रेलवे ट्रैक पर एक 40 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिला। पुलिस जानकारी के अनुसार गत 4 अक्टूबर को सुबह करीब 7.30 बजे नरेंद्र नगर पुल के सामने खंभा क्र.-8211 के पास रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव मिला। पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल भेजा। फिलहाल आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है।

मामूली बात पर बियर बार में मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

धंतोली थानांतर्गत मंगलवार को बियर बार में दो युवकों में हो रहे झगड़े में मध्यस्थता करना एक युवक को महंगा पड़ गया। आरोपी युवक ने उसके माथे पर कांच का ग्लास दे मारा। आरोपी युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। वैनगंगा नगर निवासी वैभव बावनकर (19) शाम 4.30 बजे के करीब अपने मित्रों के साथ अजनी चौक स्थित एंकर वन नामक बियर बार में गया। उसके पास वाली टेबल पर परिचित अक्षय लोही (25) चूनाभट्ठी निवासी अपने मित्रों के साथ बैठा था। इस दौरान अक्षय का अपने मित्रों से विवाद हो गया। यह देखकर वैभव ने अक्षय को फटकार लगाई और मध्यस्थता कर विवाद सुलझाने का प्रयास किया। इससे तैश में आकर अक्षय ने टेबल पर रखा ग्लास वैभव के माथे पर दे मारा। अक्षय को गिरफ्तार कर लिया गया है।

किशोरी से छेड़छाड़, मामला दर्ज

विवाद के दौरान किशोरी से छेड़छाड़ करने का मामला मंगलवार रात तहसील थाने में दर्ज किया गया। दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पीड़ित 19 वर्षीय किशोरी है। वह रात 9.30 बजे अपनी सहेली के साथ जागनाथ बुधवारी स्थित भारत माता चौक से जागृतेश्वर मंदिर की ओर जा रही थी। इस दौरान जागनाथ बुधवारी निवासी राजेश ढोके (44) और चंदू लारोकर (38), तीन नल चौक निवासी के दोपहिया वाहन का हैंडल किशोरी को लगा। इस लेकर किशोरी का राजेश और चंदू से विवाद हो गया। विवाद के दौरान दोनों किशोरी से अभद्रता से पेश आए और उससे छेड़छाड़ की।

कोरोना की वजह से ईडी के सामने हाजिर नहीं होना चाहते देशमुख

मुंबई। राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने अपने वकील के माध्यम से बांबे हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को दुर्भावनापूर्ण बताया है। मनी लांड्रिंग से जुड़े आरोपों का सामना कर रहे देशमुख ने ईडी की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका पर सुनवाई के दौरान देशमुख के वकील ने कहा कि कोरोना के कारण देशमुख ईडी के सामने प्रत्यक्ष रुप से हाजिर होना नहीं चाहते। इस लिए उन्हें ऑनलाईन हाजिर होने की अनुमति दी जाए। बता दे की अभी तक ईडी देशमुख को पूछताछ के लिए पांच समन जारी कर चुकी है। गुरुवार को यह याचिका न्यायमूर्ति नीतिन जामदार व न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल की खंडपीठ के सामने सुनवाई के लिए आयी। इस दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता देशमुख की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रम चौधरी ने कहा कि जिस तरह से ईडी ने मेरे मुवक्किल (देशमुख) के खिलाफ समन जारी किया और मनी लांड्रिग कानून के तहत आरोप लगाया है, वह मेरे मुवक्किल के मौलिक अधिकारों का हनन है। ईडी की कार्रवाई दुर्भावना व द्वेषपूर्ण है। इसलिए मेरे मुवक्किल के खिलाफ ईडी की ओर से दर्ज किए गए मामले को रद्द कर दिया जाए। इसके साथ ही ईडी व सीबीआई को मेरे मुवक्किल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने से रोका जाए। मेरे मुवक्किल को ऑनलाइन तरीके से मामले से जुड़े दस्तावेज सौपने व बयान दर्ज कराने की छूट दी जाए। क्योंकि मेरे मुवक्किल एक वरिष्ठ नागरिक हैं। कोरोना के चलते मेरे मुवक्किल प्रत्यक्ष रुप से ईडी के सामने हाजिर नहीं होना चाहते है। वहीं ईडी की ओर से पैरवी कर रहे एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अमन लेखी ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील को अपनी दलीले अंतरिम राहत तक सीमित रखनी चाहिए। क्योंकि मनी लांड्रिंग से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में प्रलंबित है।

नायर अस्पताल में 'कोवोवैक्स' का ट्रायल, 2 से 17 आयु के बच्चों पर होगा परीक्षण

मुंबई, जायडस कैडिला के को-विड वैक्सीन के बाद अब नायर अस्पताल में कोरोना रोधी वैक्सीन 'कोवोवैक्स' का ट्रायल शुरू हो चुका है। 2 से 17 वर्ष आयु के तीन बच्चों को इस वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी है। आगामी 6 महीनों में करीब 920 बच्चों पर वैक्सीन का परीक्षण किया जाएगा। बता दें कि जायडस कंपनी के जायकोवि-ड वैक्सीन के ट्रायल के लिए बीएमसी के नायर अस्पताल का चयन किया गया था। यहां 12 से 18 वर्ष के 50 बच्चों पर वैक्सीन का ट्रायल होना था लेकिन बीएमसी को उतने बच्चे नहीं मिल पाए थे। कुछ ही बच्चों पर इस वैक्सीन का परीक्षण किया गया, लेकिन अब सीरम इंस्टिट्यूट के कोवोवैक्स वैक्सीन का ट्रायल नायर अस्पताल में हो रहा है। बीएमसी के प्रमुख अस्पतालों के संचालक डॉ. रमेश भारमल ने बताया कि फिलहाल तीन बच्चों पर ट्रायल शुरू किया गया है, जिसमें से एक बच्चे को प्लेसिबो दिया गया है। उन्होंने बताया कि 920 बच्चों पर वैक्सीन का ट्रायल होना है। इसमें से 460 बच्चे 2 से 11 वर्ष आयु के और 460 बच्चे 11 से 17 वर्ष आयु के बच्चे होंगे।डॉ. भारमल ने बताया कि पहली खुराक 0.5 एमएल दी गई है।

9 साल से फरार आरोपी राम नगर चौक में पकड़ा गया

उदार अंबाझरी पुलिस ने मंगलवार को 9 साल से फरार एक आरोपी को धरदबोचा। साथी की मदद से युवक पर तलवार से हमला करने के बाद से वह फरार था। अदालत में पेश कर उसे जेल भेज दिया गया है। जय नगर, पांढराबोढ़ी निवासी विनय बोहत (21) नामक युवक का 14 सितंबर 2012 की रात जिम से पैदल घर जाते समय बस्ती का ही वर्तमान में न्यू पंचशील नगर निवासी निखिल बागड़े (29) के साथ विवाद भी हुआ था। घटना के कुछ देर बाद निखिल अपने साथी नीतेश कल्लू मोगरे (19) के साथ पहुंचा और विनय पर तलवार से हमला कर दिया था। गंभीर घायल विनय की शिकायत पर निखिल और नीतेश के खिलाफ अंबाझरी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था। नीतेश को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन घटना के बाद से निखिल फरार था। करीब 9 साल बाद बुधवार को दोपहर में अंबाझरी पुलिस को गुप्त सूचना पर निखिल को धरदबोचा। निखिल राम नगर चौक में एक दवा दुकान के सामने खड़ा था। वरिष्ठ निरीक्षक डॉ. अशोक बागुल के मार्गदर्शन में पुलिस ने कार्रवाई की।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM HITESH KUMAR VITTHAL BHAI RIBADIYA TO HITESH BHAI VITTHAL BHAI RIBADIYA AS PER DOCUMENTS
Certificate No.: GJ35179189248905T

नवरात्रोत्सव में 'आरोग्य उत्सव!'...मीरा-भायंदर शिवसेना की पहल

भायंदर, आज से नवरात्रोत्सव शुरू होने जा रहा है। इस अवसर पर मीरा-भायंदर में शिवसेना की ओर से 'आरोग्य उत्सव' मनाया जाएगा। इसके तहत रक्तदान शिविर समेत अन्य स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। इस समय कुछ क्षेत्रों में रक्त की कमी है। 'आरोग्य उत्सव' के तहत विभागीय रक्तदान शिविर आयोजित कर शहर से ५,००० बोतल रक्त एकत्र करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शिवसेना पदाधिकारियों की बैठक में शिवसेना संपर्क प्रमुख व विधायक प्रताप सरनाईक ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आदेशानुसार व ठाणे जिला संपर्क नेता व पालकमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में मीरा-भायंदर शहर में स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इस संबंध में मीरा-भायंदर में शिवसेना के प्रमुख पदाधिकारियों को 'आरोग्य उत्सव' के बारे में सूचित करने और मार्गदर्शन करने के लिए मंगलवार को एक बैठक आयोजित की गई थी। इस मौके पर सरनाईक ने कहा

कि शहर में शिवसेना एकजुट और मजबूत है। हम इसके माध्यम से लोगों की सेवा कर रहे हैं। कोरोना काल में हमने लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी कई गतिविधियां कीं और जरूरतमंद नागरिकों की मदद करते हुए सभी शिवसैनिक लोगों तक पहुंचे। जनप्रतिनिधि, शिवसैनिक, महिला आघाडी की कार्यकर्ता सतत कोरोना मरीजों की सेवा के लिए काम करती रहीं। अब हम 'आरोग्य उत्सव' के तहत नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने जा रहे हैं। इसी दौरान शिवसेना की ओर से शहर में १० अक्टूबर को ६ स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सरनाइक ने अधिक-से-अधिक रक्तदाताओं से रक्तदान कर इन शिविरों को सफल बनाने की अपील की। नवरात्रि के ९ दिनों के दौरान नगरसेवकों और शिवसेना पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न गतिविधियों को संचालित करें। आरोग्य उत्सव के अंतर्गत संपूर्ण ठाणे जिला शिवसेना शाखा के माध्यम से जिले में विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन कर कम-से-कम २५ हजार बोतल रक्त जमा करने का निश्चय पालकमंत्री शिंदे ने किया है। सरनाईक ने कहा कि मीरा-भायंदर शहर में इस आरोग्य उत्सव को बड़े पैमाने पर सफल बनाएं।

क्या आप समय बर्बाद करने में माहिर हैं

हिरल शाह

जो लोग समय का सबसे अच्छा उपयोग करते हैं वे इसका सबसे अधिक लाभ उठाते हैं। समय की कीमत जानने के बावजूद हम में से ज्यादातर लोग अभी भी सपनों की दुनिया में रहते हैं। यह न केवल सोशल मीडिया है, जहां हमने अनुत्पादकता के घंटे बिताए हैं, लेकिन कई अन्य अनजाने तरीके हैं जिनसे हम समय बर्बाद करते हैं जिन्हें पहचानना कठिन होता है। तो हम इस बारे में अधिक जागरूक कैसे हो सकते हैं कि हम अपने समय का उपयोग कैसे करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि हम इसे अचेतन व्यवहारों में न खोएं?

हम अनजाने में समय कैसे बर्बाद करते हैं?

हम जानबूझकर समय बर्बाद करने की योजना नहीं बनाते हैं। वास्तव में, हम जिन तरीकों से समय बर्बाद करते हैं, उनमें से कई वास्तव में काम के रूप में ही सामने आते हैं। इसलिए अधिक उत्पादक बनने के लिए और अपने समय का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए, हमें उन तरीकों को पहचानने में सक्षम होना चाहिए जिनका हम अनजाने में दुरुपयोग करते हैं। आइए समझते हैं कि हम अपना समय सामान्य रूप से कैसे बर्बाद करते हैं।

अनावश्यक मीटिंग

अगर आप बिना योगदान दिए या कुछ नया सीखे किसी मीटिंग में शामिल होते हैं, तो शायद आपको वहां होने की जरूरत नहीं है। मिलना-जुलना आजकल एक फैशन बन गया है। अनावश्यक बैठकों से हम न केवल अपने नियमित कार्य में व्यवधान उत्पन्न करते हैं बल्कि अपना मूल्य भी खो देते हैं। यहां हम न केवल अपना समय और ऊर्जा बर्बाद करते हैं बल्कि अपनी समग्र सोच क्षमताओं को भी सीमित करते हैं।

दूसरे लोगों का काम करना।

आपको इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आपकी प्राथमिकताएँ क्या हैं, अगर आप कुछ कम महत्वपूर्ण काम दूसरों से करवा सकते हैं तो खुद न करें। टीम वर्क आपको बेहतरीन परिणाम और तेज प्रभाव देता है। अगर आप दूसरों को काम देते हैं, तो उन पर भरोसा करें और उनकी क्षमताओं के बारे में अपने मन में संदेह न रखें।

निष्क्रिय कार्य

चाहे आप कितने ही बुद्धिमान क्यों न हों, लेकिन मूर्ख के साथ बहस करना हमेशा बेकार होता है। अपने आस-पास की नकारात्मकता पर प्रतिक्रिया देना बंद करें। ऐसे लोगों या स्थिति को नजरअंदाज करना सीखें। विचलित न हों यह आपके समय और शांति को दूर कर देगा।

गलत प्राथमिकताओं पर काम करना।

जब तक आप अपने सबसे महत्वपूर्ण कार्य पर काम नहीं कर रहे हैं, आप अपने समय का सर्वोत्तम उपयोग नहीं कर रहे हैं। हममें से बहुत से लोग खराब प्राथमिकता के परिणामस्वरूप समय बर्बाद करते हैं, ऐसे कार्यों पर काम करते हैं जो हमें वास्तव में प्रगति में मदद किए बिना व्यस्त महसूस कराते हैं।

अत्यधिक उपलब्ध होना।

जबकि आप कुछ ज्ञात लोगों के हस्तक्षेप से बच नहीं सकते हैं, आप अनजाने में इसे विलंब के रूप में प्रोत्साहित कर सकते हैं। जिस तरह से आप विकर्षणों का जवाब देते हैं और अपनी उपलब्धता को प्रस्तुत करते हैं, उससे अन्य लोगों को यह पता चलता है कि क्या वे किसी भी समय आपसे संपर्क कर सकते हैं। आप ऐसी जगह जा सकते हैं जो शांत हो और ऐसी कोई अशांति न हो।

समय बर्बाद करना कैसे रोकें?

1. अपनी दैनिक गतिविधियों की एक संरचना बनाएं।
2. बड़ी परियोजनाओं को छोटे कार्यों में विभाजित करें।
3. अपनी प्रगति को ट्रैक करें।
4. कम मूल्य दोहराए जाने वाले कार्य को स्वचालित करें।
5. अपने समय की पात्रता का प्रबंधन करें।
6. उत्पादक गहरे ब्रेक लें।

जब आप अपना समय ठीक से प्रबंधित करते हैं और अपनी समय सीमा को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, तो आप अपनी क्षमताओं में उपलब्धि और आत्मविश्वास की भावना महसूस करेंगे। समय बर्बाद करना सफलता के सूत्र के खिलाफ है। समय बचाएं और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें।

सावधान-जीवनशैली की यह आदतें बढ़ा रही हैं ब्रेन स्ट्रोक का खतरा, महिलाएं हो जाएं विशेष सावधान

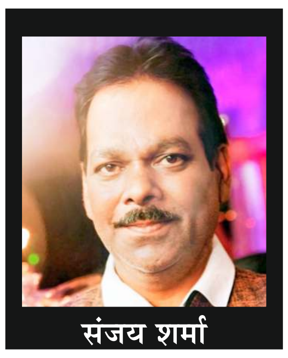
संजय शर्मा

जीवनशैली की गड़बड़ी हमारे सेहत के लिए किस कदर गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, तमाम रिपोर्टस में इस बारे में हम सभी लगातार पढ़ते आ रहे हैं। ब्रेन स्ट्रोक भी ऐसी ही एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जिसका खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक

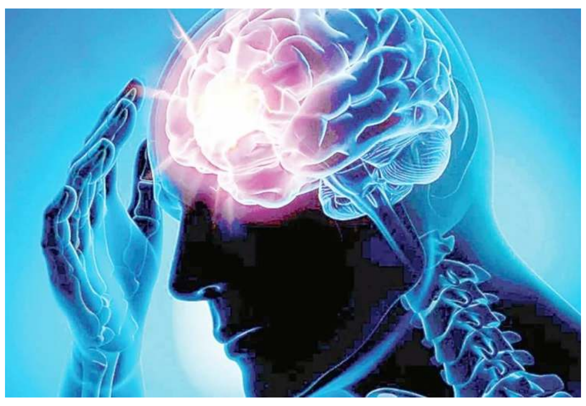

चिंता की बात यह भी है कि ब्रेन स्ट्रोक के ज्यादातर शिकार लोगों की आयु कम होती है। अध्ययनों में पाया गया है कि अगर जीवनशैली की कुछ आदतों में समय रहते सुधार कर लिया जाए तो ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक वैसे तो ब्रेन अटैक, स्ट्रोक किसी भी उम्र में हो सकता है और यह पुरुषों तथा महिलाओं को समान रूप से प्रभावित करता है। हालांकि जॉन हॉपकिंस मेडिसिन के विशेषज्ञों के अनुसार गर्भनिरोधक गोलियों के बढ़े हुए चलन ने महिलाओं में इस खतरे को काफी बढ़ा दिया है। यह गोलियां एस्ट्रोजन हार्मोन के स्तर को प्रभावित कर सकती हैं जिससे स्ट्रोक का जोखिम बढ़ सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि हमारे जीवनशैली की कौन सी आदतें ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन सकती हैं?

ब्रेन स्ट्रोक क्या है?स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक मस्तिष्क में रक्त की आपूर्ति बाधित या कम हो जाने के कारण मस्तिष्क के ऊतकों को ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं, जिसके कारण स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। रक्त की आपूर्ति बाधित होने से मस्तिष्क की कोशिकाएं कुछ ही मिनटों में नष्ट होनी शुरू हो जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक ब्रेन स्ट्रोक एक आपात चिकित्सा स्थिति है जिसमें रोगी को शीघ्र उपचार की आवश्यकता होती है। अगर समय रहते इसका अंदाजा लग जाए तो स्थिति को गंभीर होने से बचाया जा सकता है।

तंबाकू उत्पादों के सेवन से बढ़ जाता है खतराधूम्रपान सहित कई अन्य प्रकार के तंबाकू उत्पादों का सेवन करना हृदय या फेफड़ों की बीमारियों के साथ ब्रेन स्ट्रोक का भी खतरा बढ़ा सकता है। जॉन हॉपकिन्स मेडिसिन के विशेषज्ञों का कहना है कि धूम्रपान, इस्किमिक स्ट्रोक के खतरे को दोगुना तक बढ़ा देता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक तंबाकू उत्पादों के सेवन को बंद करके स्ट्रोक के खतरे को कम किया जा सकता है। इसके अलावा अत्यधिक शराब पीने वालों को भी स्ट्रोक का खतरा होता है।

शारीरिक निष्क्रियता है नुकसानदेहस्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक व्यायाम करने से आपकी हृदय गति बढ़ती है, पसीना आता है और वजन घटता है। व्यायाम करके आपको फिट और सक्रिय रहने में मदद मिलती है। हालांकि लोगों में कई कारणों से शारीरिक निष्क्रियता बढ़ती जा रही है, जिसके कारण स्ट्रोक और कई अन्य प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। शरीर को फिट और सक्रिय रखकर आप स्ट्रोक के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

ब्रेन स्ट्रोक से कैसे रहें सुरक्षित?जॉन हॉपकिंस के विशेषज्ञ कहते हैं, ब्रेन स्ट्रोक के जोखिम को कम करने के लिए धूम्रपान और शराब से दूरी बनाकर नियमित व्यायाम को जीवनशैली में शामिल करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन करके रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रबंधित करने में मदद मिल सकती है, जो ब्रेन स्ट्रोक के खतरे के कम करने में सहायक हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन को लेकर महिलाओं का विशेष सावधान रहने की आवश्यकता है।

नवरात्रि विशेष-अगर आपको भी हैं ये बीमारियां, तो उपवास के समय रखें इन खास बातों का ध्यान

शरीर को आराम देने के लिहाज से उपवास करना एक सामान्य प्रक्रिया है। असल में उपवास की परंपरा भारत में प्राचीन समय से है। धीरे धीरे इसके स्वरूप में कई परिवर्तन आते रहे और आजकल जो स्वरूप उपवास का है वह उपवास के मूल स्वरूप से बहुत अलग है। अब ज्यादातर जगहों पर उपवास का अर्थ अलग अलग तरह का भोजन होता है, वो भी डीप फ्राइड, शकर, घी, फैट्स और मसालों से भरा। यहां तक कि आजकल तो बाजार में रोटी-सब्जी, दाल-चावल तक फलाहारी स्वरूप में मिलने लगे हैं। ऐसे में उपवास का असली मतलब ही खत्म हो जाता है। इसलिए इस नवरात्रि अगर उपवास कर रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। उपवास धार्मिक कारणों के अलावा कई बार वेट लॉस के लिए भी किया जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप इस बात का ध्यान रखें कि आप क्या, कैसे और कब खा रहे हैं। ऐसे में इन बातों का ध्यान रखें--यदि आपको डायबिटीज है, दिल की बीमारी के मरीज हैं, हाई ब्लड प्रेशर या ऐसी ही किसी समस्या से ग्रसित हैं या गर्भवती हैं या स्तनपान करवा रही हैं तो उपवास करने से बचें। डॉक्टर्स और डायटीशियन सबसे पहली सलाह यही देते हैं।-यदि इसके बावजूद आप उपवास करते हैं तो सबसे पहले सुबह उठकर अपनी नियमित दवा लेने के बाद नाश्ता जरूर करें। खाली पेट लम्बे समय तक न रहें।-अगर आपको शुगर कम होती महसूस हो तो तुरन्त शकर या कोई मीठी चीज खाएं। यदि आप इन्सुलिन लेते हैं तो डॉक्टर से सलाह लेकर ही उपवास करें।-कोशिश करें कि हर दो-तीन घन्टे के अंतराल से थोड़ा- थोड़ा खाएं। एकसाथ फलाहार करने से बचें। -डीप फ्राय, फैट रिच और बहुत मीठे से बचें। इसकी जगह फ्रूट्स, भुनी मूंगफली, सलाद आदि को उपयोग में लाएं।-साबूदाने की बजाय राजगिरा, कुट्टू का आटा या राजगिरे के दानों का प्रयोग करें।-लिक्विड डाइट यानी दूध, दही, छाछ, नारियल पानी, साधारण पानी आदि को ज्यादा उपयोग में लाएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और पोषण भी मिलेगा। -कोशिश करें कि यदि आप एक समय अनाज खाने वाले हैं तो उसे दोपहर या शाम को ही खाएं बजाय देर रात खाने के। देर रात को खाने से न केवल भोजन को पचाने में दिक्कत होती है बल्कि दिनभर भूखे रहकर सीधे रात को खाने से शरीर उसे ठीक से अडॉप्ट नहीं कर पाता और पेट सम्बन्धी समस्या हो सकती है।-सेब, पपीता, अनार, नाशपाती जैसे फलों से फाइबर के साथ ही भरपूर मात्रा में पानी भी होता है। ये फल जरूर खाएं।-सूखे मेवे, भुने हुए मखाने, सूखा नारियल, आदि थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खाते रहें।-कोशिश करें कि फलाहार में आलू की बजाय शकरकंद, रतालू या जिमीकंद का उपयोग करें।

अलर्ट-गलती से भी इन चार चीजों के साथ न करें दही का सेवन, हो सकते हैं बहुत बीमार

अगर कहा जाए कि दही हमारे भारतीय खाने की सबसे जरूरत वाली चीज बन गई है, तो शायद इसमें कुछ गलत नहीं होगा। पराठे, पूरी, सब्जी आदि के साथ लोग दही खाना काफी पसंद करते हैं। कई लोगों के खाने के साथ अगर दही न हो, तो उन्हें ऐसा लगता है कि जैसे उनका खाना अधूरा रह गया। यही नहीं, दही को सीधा खाने के साथ-साथ लोग इसे रायता, मीठी दही, छाछ आदि के रूप में भी अपने खाने में शामिल करते हैं। दही खाना गलत नहीं है, क्योंकि दही तो हमारे शरीर को फायदा ही देने का काम करती है, लेकिन शायद आप ये नहीं जानते होंगे कि किन चीजों के साथ दही का सेवन करने से आपके शरीर को नुकसान पहुंच सकता है और आप बीमारियों की चपेट में तक आ सकते हैं? तो चलिए आपको इसके बारे में बताते हैं।

उड़द दाल के साथ

उड़द दाल के साथ दही का सेवन करने से लूज मोशन, गैस, पेट की समस्या और सूजन जैसी दिक्कतें आपको हो सकती हैं। इसलिए उड़द की दाल और दही का साथ में सेवन करने से परहेज करना चाहिए।

प्याज के साथ

अक्सर देखा जाता है कि लोग खीरे के रायते की जगह पर प्याज का रायता या सीधे दही में प्याज मिलाकर भी इसका सेवन करते हैं। यहां ये समझना होगा कि दही और प्याज दोनों की तासीर अलग होती है। ऐसे में अगर इनका सेवन मिलाकर किया जाए, तो इससे आप कई बीमारियों जैसे- दाद-खाज, खुजली, एग्जिमा और पेट से जुड़ी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

मछली के साथ

कई लोग दही के साथ मछली का सेवन करते हैं, क्योंकि ऐसा करने से पेट में कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। इसमें पेट दर्द, अपच

जैसी समस्याएं आम हैं।

तली-भुनी चीजों के साथ

कई लोग तली-भुनी चीजों, जैसे- पराठे या पकौड़े के साथ दही का सेवन करते हैं। लेकिन ये गलत है, जिसके कारण आपकी सेहत बिगड़ सकती है। यहां तक कि आपकी डाइजेशन पर भी इसका बुरा असर पड़ सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह शुभ है और सारे काम समय पर पूरे होने के योग भी हैं। कुछ नया करने का विचार है तो अवश्य करें भाग्य साथ देगा। ग्रहों की चाल आपके पक्ष में है। बड़ा निवेश, प्रापर्टी की खरीदी-बिक्री की स्थितियां बेहतर रहेंगी। स्वास्थ्य में थोड़ी नरमी बनी रहेगी लेकिन मौसमी है एक-दो दिन में ठीक हो जाएगी।

वृषभ : तरक्की के कई अवसर इस सप्ताह प्राप्त होंगे। शुभ संकल्प साकार होंगे। धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों के कारण आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शुभ है। नया काम प्रारंभ करें लाभ होगा। निवेश और बचत योजनाओं से लाभ कमाएंगे। कार्यो में स्थितियां अब पहले से बेहतर रहेंगी।

मिथुन : परिवार और मित्रों का पूरा सपोर्ट इस सप्ताह रहेगा। बड़ी योजनाओं को पूरा होते हुए देखेंगे। पिछले समय में की गई मेहनत का शुभ परिणाम सामने आने वाला है। भाइयों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार की ओर बढ़ेंगे। आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे। भूमि-संपत्ति खरीदने के योग हैं। नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

कर्क : मानसिक झंझावातों में कमी आएगी। माता दुर्गा की कृपा से शत्रुओं का नाश होगा और जीत आपकी होगी। संयम और धैर्य का शुभ फल मिलेगा। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में सफलता के योग हैं। पारिवारिक कार्यो से यात्राएं होंगी। जीवन का श्रेष्ठ समय प्रारंभ होने वाला है। अपने विचार शुद्ध रखें। विवादों से दूर रहें।

सिंह : परिवार के मांगलिक प्रसंगों में जाने का मौका मिलेगा। आपके निर्णय को सर्वत्र सराहना मिलेगी। सूर्य देव की कृपा से पद-प्रतिष्ठा और सम्मान में बढ़ोतरी होगी। नौकरी में प्रमोशन के साथ स्थानांतरण हो सकता है। मौके का फायदा उठाने की कृपा करें। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। मानसिक शांति रहेगी।

कन्या : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह लाभदायक है। अनेक माध्यमों से पैसों की आवक होगी। पुरानी बचत योजनाओं से लाभ अर्जित करेंगे। नौकरी में स्थानांतरण की स्थिति बन रही है। उच्चाधिकारियों से सामंजस्य बनाकर रखें। पारिवारिक स्थिति बेहतर रहेगी। यात्राएं करनी पड़ेंगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। इस सप्ताह कोई नया कार्य प्रारंभ करें।

तुला : यह सप्ताह कुछ नया करने के लिहाज से शुभ है। अब तक जिन कार्यो की केवल योजना बना रहे थे उन्हें अब साकार करने का समय आ गया है। देर न करें कार्य प्रारंभ करें। मुकदमों में जीत, शत्रुओं की हार होगी। परिजनों का सहयोग बना रहेगा। अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास करें। आजीविका की समस्या दूर होगी।

वृश्चिक : धैर्य और संयम का फल अब मिलने वाला है। इस सप्ताह बड़े कार्य संपन्न होंगे। रूका हुआ पैसा मिलेगा। कर्ज चुकाने की स्थिति में आ जाएंगे। घर-परिवार में नया वाहन, भूमि, भवन खरीदी जाएगी। परिवार के साथ सामंजस्य और सौहार्द्रपूर्ण माहौल बना रहेगा। खुशियां आएंगी। नौकरी, व्यापार में परिस्थितियां सामान्य बनी रहेगी।

धनु :अपने निजी संबंधों का लाभ कार्यो पर देखने को मिलेगा। तरक्की की स्थितियां बन रही हैं बस आपको अपना अंतर्मुखी स्वभाव छोड़ना होगा। खुलकर अपनी बात रखें फायदे में रहेंगे। पैसों की आवक भरपूर रहने से मन प्रसन्न रहेगा। कर्ज मुक्ति होगी। परिवार के साथ हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

मकर : आपके सारे शुभ संकल्प साकार होने जा रहे हैं। पिछले सप्ताहों की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद इस बार कुछ बेहतर करने की स्थिति बनेगी। आर्थिक लाभ की संभावना है। बचत और निवेश से बड़ा लाभ अर्जित करेंगे। अटके हुए काम पूरे होंगे। परिवार और मित्रों के साथ बेहतर तालमेल रहेगा।

कुंभ : पारिवारिक और सामाजिक जीवन में महत्व बढ़ेगा। कोई बड़ा सार्वजनिक सम्मान मिल सकता है। अपने कार्यो को बेहतर ढंग से करें। आजीविका के साधनों का संकट दूर होगा। कुछ बड़ा और नया होने जा रहा है। पैसों की आवक भरपूर रहेगी। पारिवारिक कार्यो से यात्राएं करनी पड़ सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ा सकता है इसलिए ध्यान रखें।

मीन : सप्ताह शुभ और बेहतर है। आपके सारे कार्य बिना रूकावट संपन्न होंगे। पैसों के निवेश से लाभ अर्जित करेंगे। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। धर्म अध्यात्म के कार्यो में रुचि रहेगी। संबंधों का लाभ जीवन में देखने को मिलेगा। लगातार तरक्की की ओर अग्रसर होंगे। एक बात का ध्यान रखें अपने कार्यो को दूसरों के भरोसे न छोड़ें।

चुटकुले

शराबी– डॉक्टर साहब, चेकअप करवाना है?
डॉक्टर – क्या समस्या है?
शराबी – 1-2 दिन से लीवर में दर्द हो रहा है
डॉक्टर – दारू पीते हो?
शराबी – हां, साहब पर एक ही पैग बनाना, अभी मन नहीं है

पप्पू की भाभी काजू खा रही थी...
पप्पू प्यार से बोला- भाभी जी, जरा मुझे भी टेस्ट करा दो...
भाभी ने एक काजू पप्पू हाथ में रख दिया और बाकि खुद खाने लगी।
पप्पू- बस एक ही काजू?
भाभी ने गुस्से में कहा- हां, बाकि सबका स्वाद भी ऐसा ही है...

पतंजलि शॉप संचालक के 42 हजार रुपए उड़ाए

सक्करदरा इलाके में एक दुकान से स्मार्ट घड़ियां और बूट खरीदने के बाद पैसे मांगने पर कुख्यात बदमाश अनिकेत काले और उसके साथियों ने दुकानदार अक्षय पिल्लीवार को जिंदा जलाकर मारने की धमकी दी। अक्षय की शिकायत पर बदमाश अनिकेत काले, उसके साथी रजत उर्फ लल्ला, निखिल फटिंग, बाजारे व एक अन्य पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आशीर्वाद नगर, हुड़केश्वर रोड निवासी अक्षय पिल्लीवार (26) की घर में ही 'ब्रैंड विला 17' नामक दुकान है। 4 अक्टूबर को शाम करीब 5.30 से 6 बजे के बीच अक्षय की दुकान में अनिकेत, रजत, निखिल, बाजारे व अन्य एक युवक पहुंचे। स्मार्ट घड़ियां और बूट खरीदे। आधा बिल देने के बाद कहा- बाकी पैसे हफ्ता समझो। अक्षय और उसके कर्मचारियों ने पैसे देने के लिए दबाव बनाया, तो आरोपियों ने अक्षय को धमकाते हुए उसे दुकान के सामने ही जलाकर मार डालने की धमकी दी। आरोपियों ने दुकान के काउंटर का कांच भी फोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। इस घटना के बाद आरोपी काले को हुड़केश्वर इलाके में पुलिस ने हंगामा करते पकड़ लिया। काले को न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। सक्करदरा पुलिस ने आरोपियों पर हफ्ता वसूली का मामला दर्ज किया है।

दुकानदार को जिंदा जलाने की धमकी

पेटीएम में कैश जमा होने का झांसा देकर एक साइबर अपराधी ने पतंजलि शॉप संचालक के दो बैंक खातों से ऑनलाइन 42 हजार 306 रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। आरोपी की करतूत के बारे में पता चलने पर संचालक प्रवीण चाफले ने धंतोली थाने में शिकायत की। साइबर आरोपी पर धारा 420 व सहधारा 66(डी)(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बिजली गिरने से एक की मौत, 2 घायल

पाटणसावंगी। खापा पुलिस थाने की सीमा में कोच्छी-बड़ेगांव शिवार के एक खेत में मंगलवार 5 अक्टूबर की दोपहर करीब 3:30 बजे के दौरान बिजली गिरने से खेत मालिक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, 2 मजदूर बुरी तरह घायल हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोच्छी निवासी ठकसेन पुंडलिक जांभुलकर (47) अपने खेत में मजदूर दिवाकर कचरू भंडारे (45) व मनोज शेषराव कराडे (52) दोनों कोच्छी निवासी के साथ फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव कर रहा था। इस बीच दोपहर करीब 3:30 बजे के दौरान अचानक बिजली कड़की और हल्की बारिश होने लगी। बचने के लिए सभी ने खेत में ही एक पेड़ की पनाह ली। अचानक बिजली गिरी और तीनों उसकी चपेट में आ गए। खेत मालिक ठकसेन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा दोनों खेत मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने मजदूरों को ग्रामीण आरोग्य प्रशिक्षण केन्द्र, सावनेर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जीएमसी नागपुर रेफर किया गया। थानेदार अजय मानकर के मार्गदर्शन में एचसी प्रमोद बंसोड़ मामले की जांच कर रहे हैं।

फर्जी कागजों से हड़पी 50 करोड़ की जमीन

नागपुर। सरकार के पास जा चुकी सीलिंग की जमीन पर फर्जी कागजों के आधार पर 50 करोड़ से अधिक की संपत्ति बना ली। इन कागजों को बनाने से लेकर इस पर प्लॉट काटने और उसे बेचने में कई तरह के नियमों की अनदेखी हुई। इसमें प्रशासन से लेकर पुलिस तक के कुछ अधिकारी शामिल हैं। उक्त कागजों को बनाने के लिए कहीं मृत व्यक्तियों के नाम का उपयोग किया गया, तो कहीं संपत्तिधारकों के फर्जी हस्ताक्षर बनाए गए। इसके कुछ कागजात जब सामने आए तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। दूसरी तरफ बिल्डर का आरोप है कि संबंधित परिवार के एक सदस्य द्वारा पूरे मामले को दबाने के बदले 10 करोड़ की मांग की गई। जब डील नहीं हो पाई, तो मामले की शिकायत पुलिस से लेकर प्रशासन तक पहुंची। हालांकि इसके पहले भी इसी मामले में बिल्डर ने खिलाफ पुलिस में शिकायत की गई थी, जिसे अपने रसूख के दम पर दबा दिया गया। पुलिस को पहुंची शिकायत के आधार पर ऐसे हुआ घोटाला।

डॉ. बघे सहित 3 लोगों ने की 46 लाख की धोखाधड़ी

नागपुर। कामठी रोड पर दस नंबर पुलिया के पास वीनस केयर अस्पताल के डायरेक्टर सहित 3 डॉक्टरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। आरोपियों में वीनस के डायरेक्टर डॉ. राजेश तुलसीराम बघे, डॉ. भूपेंद्र सेवक लवात्रे व प्रशांत नत्थू शेंडे का समावेश है। तीनों पर 43 लाख की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। मामला पीड़ित दिनेश छाबरा की शिकायत पर सदर पुलिस ने दर्ज किया है। आरोप है कि, तीनों ने 15 सितंबर 2020 से 5 अक्टूबर 2021 के बीच छाबरा के साथ धोखाधड़ी की है। गौरतलब है कि, इससे पूर्व डॉ. बघे पर पांचपावली थाने में ठगी का मामला दर्ज हुआ है। सात साल के करारनामे पर लिया था नर्सिंग होम विजय नगर, छावनी निवासी दिनेश ज्ञानप्रसाद छाबरा (62) ने पुलिस को बताया कि प्रियदर्शनी कॉलोनी, म्हाड़ा, सिविल लाइंस निवासी वीनस अस्पताल का डॉयरेक्टर डॉ. बघे, प्रशांत शेंडे और डॉ. भूपेंद्र लवात्रे, 10 नंबर पुलिया, वीनस केयर अस्पताल, नागपुर निवासी ने सदर स्थित छावनी, छिंदवाड़ा रोड के प्रेस्टिज नर्सिंग होम को किराए पर चलाने के लिए प्रति माह 5,75,000 रुपए के हिसाब से सात साल के लिए करारनामा किया था।

बढ़त के साथ खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स- निफ्टी दोनों में तेजी

मुंबई। देश का शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन (06 अक्टूबर, बुधवार) बढ़त के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही हरे निशान पर रहे। बंबई स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 88.86 अंक की बढ़त के साथ 59,833.74 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एंई) के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी 47.20 अंकों की तेजी के साथ 17,869.50 के स्तर पर खुला।

मरीज ही नहीं डॉक्टरों को भी सता रही महामारी-कोरोना में मरीजों को मरते देखा, लगातार ड्यूटी व सिलेबस से बाहर की बीमारी का इलाज करना पड़ा, अब डिप्रेशन में 50 रेजिडेंट डॉक्टर

सिविल अस्पताल के 50 रेजिडेंट डॉक्टर डिप्रेशन से जूझ रहे हैं। ये डॉक्टर मेडिसिन, सर्जरी, पीडियाट्रिक, गायनिक, टीवी एंड चेस्ट विभाग के हैं। सिविल में लगभग 400 रेजिडेंट डॉक्टर काम कर रहे हैं। इनमें 50 के डिप्रेशन के शिकार होने से प्रबंधन परेशान है। मरीजों का सिविल के ही मानसिक विभाग में इलाज चल रहा है। लगातार काम का बोझ, पढ़ाई का दबाव के साथ कोरोना के इलाज में ड्यूटी लगना भी इस डिप्रेशन का कारण है। मानसिक विभाग से मिली जानकारी के अनुसार करीब 50 से अधिक रेजिडेंट डॉक्टर दवाई ले रहे हैं। हालांकि दवा से उन्हें राहत है और वे काम कर रहे हैं। डिप्रेशन का इलाज छह माह से दो साल तक चल सकता है। डिप्रेशन से जूझ रहे डॉक्टरों को ये शिकायतें रात को नींद नहीं आती, नकारात्मक खयाल आते हैं कैरियर को लेकर चिंता रहती है ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है मामूली तकलीफ से भी बड़ी बीमारी होने की चिंता एग्जाम और समय-समय पर प्रेजेंटेशन को लेकर चिंता पढ़ाई और काम में मन नहीं लगना, छोटी-छोटी बात भूल जाना रूखा व्यवहार सहयोगियों और मरीजों से बहस कर लेना कुछ हो गया तो समाज और संबंधी क्या कहेंगे इन

कारणों से डॉक्टरों को हो रहा डिप्रेशन कोरोना काल में लगातार ड्यूटी करना स्टेबल मरीजों को भी मरते देखना महामारी में अपनो को खो देने का भय जो पढ़ा नहीं उस बीमारी का इलाज करना महामारी से छुटकारा मिलेगा या नहीं इसकी चिंता पढ़ाई का बोझ, प्रेजेंटेशन आदि का तनाव 24 घंटे वार्ड में काम करना, हफ्ते तक नहाने का भी समय नहीं मिलना सरकार के नए-नए नियमों से कैरियर की चिंता इन छह विभागों में तनाव के ज्यादा मरीज मानसिक विभाग के सूत्रों के अनुसार मानसिक बीमारी के ज्यादा मरीज मेडिसिन, सर्जरी, टीवी एंड चेस्ट विभाग, पीडियाट्रिक, गायनिक और रेडियोलॉजी विभाग में हैं। जिन डॉक्टरों की पहली ही ड्यूटी कोरोना में लग गई थी वही सबसे ज्यादा तनाव में हैं। कोरोना की दूसरी लहर का असर 15 मार्च से 15 मई तक रहा। इस बीच अस्पताल के सभी विभागों के डॉक्टरों की ड्यूटी कोरोना के मरीजों के इलाज में लगा दी गई थी। ऑर्थो सर्जरी और अन्य विभाग के डॉक्टरों ने इसका विरोध भी किया कि वे पढ़ाई दूसरी कर रहे हैं और प्रैक्टिस भी दूसरी बीमारियों का करते हैं, ऐसे में इलाज कैसे करेंगे। फिर भी रेजिडेंट डॉक्टरों व स्टूडेंट की ड्यूटी लगा दी गई। 6 माह से 2 साल तक चल सकती है दवा मानसिक बीमारी के मरीज रेजिडेंट डॉक्टरों का इलाज करने वाले डॉक्टरों का कहना है कि मरीजों की जानकारी हम नहीं दे सकते, लेकिन इतना जरूर कह सकते हैं कि जो भी रेजिडेंट डॉक्टर हमारे पास इलाज के लिए आ रहे हैं उनकी दवा कम से कम 6 माह से लेकर 2 साल तक चल सकती है। तनाव झेल रहे इन रेजिडेंट डॉक्टरों को लगातार काम भी करना है और उसके साथ इलाज भी लेना है।

सुरत शहर में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का घोटाला फिर सामने आया हुआ है, जिसमें सूरत के लाल दरवाजा विस्तार में बसने वाले एक व्यक्ति योगपालसिंह भाटी को बिना टिका लगाए ही सर्टिफिकेट मिल गया है। जिसमें योगपाल सिंह भाटी के नाम से बिना किसी ठोस आधार प्रूफ के वह टिका किसने लगवाया और कौन इस के पीछे है और जो भी अफसर कसूरवार मिलता है, उस पर योगपाल सिंहजी सख्त कार्रवाई करवाना चाहते हैं।।

बीए, बीकॉम, बीएससी व कंप्यूटर के छात्रों को ही अवसर-यूनिवर्सिटी ने प्रवेश का एक और मौका दिया, छात्र शुक्रवार-शनिवार को कर सकेंगे आवेदन

नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी ने प्रवेश के लिए छात्रों को एक और मौका देने का निर्णय लिया है। जिसके तहत छात्र शुक्रवार से 2 दिनों तक प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे। यूनिवर्सिटी ने बीए, बीकॉम, बीएससी और बीएससी कंप्यूटर साइंस के छात्रों को ही आवेदन का एक और मौका देने की छूट दी है। इसके पहले यूनिवर्सिटी की तरफ से प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी और उसकी मेरिट लिस्ट तक जारी करके प्रवेश की शुरुआत कर दी गई थी, लेकिन यूनिवर्सिटी ने इस बार फिर प्रवेश के लिए मौका देने का कॉलेजों को निर्देश दिया गया है। जो छात्र प्रवेश के लिए आवेदन करेंगे, उन्हें प्रवेश तो दिया जाएगा।

इसके लिए यूनिवर्सिटी ने शर्त रखी है कि पहले जिन छात्रों ने आवेदन किया है, उनकी मेरिट तैयार हो गई है तो उन्हें प्रवेश दिया जाएगा। खाली बची सीट पर छात्रों को जहां प्रवेश मिलेगा, उन्हें वहां लेना पड़ेगा। इस आधार पर छात्र आवेदन कर सकते हैं। यूनिवर्सिटी के इस आदेश के बाद बीच प्रवेश प्रक्रिया में ही आवेदन शुरू करवाए जाने से प्रवेश कमेटी के अधिकारी भी काफी चिंतित हैं और छात्रों को भी यह समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें आवेदन करना चाहिए या नहीं। यूनिवर्सिटी पहले भी कई बार प्रवेश प्रक्रिया के नियम बदल चुकी है। इसकी मेरिट कब बनेगी और प्रवेश प्रक्रिया कब शुरू की जाएगी, इसके लिए अभी यूनिवर्सिटी का कोई आदेश नहीं है। प्रवेश प्रक्रिया की खामियों से छात्र परेशान, कोई सुनवाई नहीं यूनिवर्सिटी की सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया को लेकर शिकायतें लगातार आ रही हैं। प्रवेश प्रक्रिया में इतनी खामियां है कि छात्रों का प्रवेश तक रद्द हो जाता है। इसके बाद भी यूनिवर्सिटी ने कोई कार्रवाई नहीं की है। यूनिवर्सिटी में आने वाले छात्रों की संख्या दोगुना हो गई है। पीजी और ग्रेजुएशन के छात्र आवेदन के बाद भी प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं और टेक्नीकल समस्या से फीस भरने के बाद भी छात्र का प्रवेश कन्फर्म नहीं हो रहा है।

51 परिवारों पर संकट-19 साल पहले भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरु की, अब बिना मुआवजा दिए मेट्रो के लिए कब्जा लेने का नोटिस दिया

शहर के महिधरपुरा इलाके में 51 परिवारों पर संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि उन्हें पांच दिन के भीतर अपना मकान-दुकान खाली कर दूसरी जगह जाना होगा। इसके लिए उन्हें न तो कोई मुआवजा मिलेगा और न ही वैकल्पिक आवास। प्रभावितों के मकान-दुकान तोड़कर मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा।

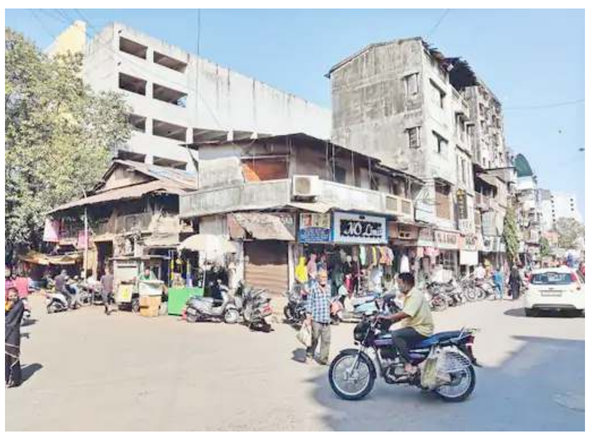

जिस जमीन पर 51 परिवार काबिज हैं, उस जमीन पर कब्जा लेने की 19 साल पहले कार्रवाई शुरू की गई थी। अभी तक प्रभावितों को न तो मुआवजा दिया गया है और न ही वैकल्पिक आवास। इसके बावजूद जिला कलक्टर ने नोटिस जारी कर सभी 51 परिवारों को 12 अक्टूबर तक जमीन खाली करने का अल्टीमेटम दे दिया है।

दरअसल मस्कति अस्पताल के पास के डिस्ट्रिक्ट सेंटर बनाने की योजना थी। इसके लिए अस्पताल के पास वाली जमीन का अधिग्रहण करने के लिए 2002 में प्रक्रिया शुरू की गई। इमारत में निवास कर रहे परिवारों और दुकानदारों को नोटिस दे दिए गए। लेकिन बाद में यह प्रोजेक्ट स्थगित हो गया।

जिसके बाद जिला कलेक्ट्रेट के भूमि संपादन विभाग ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी स्थगित कर दी।

इस दौरान प्रभावितों को मुआवजा देने की प्रक्रिया नहीं की गई। अब यहां मेट्रो प्रोजेक्ट की लाइन-1 का काम चल रहा है। मेट्रो लाइन-1 के लिए उक्त इमारत की जमीन चाहिए। इसके लिए मेट्रो प्रशासन ने जमीन अधिग्रहण के लिए कलेक्टर को प्रस्ताव भेजा था।

कलेक्टर ने 2002 की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के आधार पर 12 सितम्बर को नोटिस जारी कर सभी 51 परिवारों को 12 अक्टूबर तक मकान-दुकान खाली करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान अगर प्रभावितों ने इमारत खाली नहीं की तो कलेक्ट्रेट ने अपने स्तर पर जमीन खाली कराने की चेतावनी भी दी है।

कलेक्टर ने नोटिस जारी कर सभी 51 परिवारों को 12 अक्टूबर तक मकान-दुकान खाली करने के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री-मेयर से लगाई गुहार

कलेक्टर का नोटिस मिलने के बाद मकान एव दुकान मालिकों की नींद उड़ी हुई है। उनके लिए बड़ी समस्या है कि त्यौहार पर वे परिवार को लेकर कहां जाएंगे। अपनी व्यथा सुनाने के लिए प्रभावित को एक गुट सूरत मेयर हेमाली बोघावाला से मिला और कहा कि उनके आवास पर तत्काल कब्जा लेने की बजाय कुछ और समय दिया जाए। मनपा एव कलेक्टर प्रभावितों के लिए वैकल्पिक जगह की व्यवस्था करे। उन्हें मेयर से संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद कुछ प्रभावित गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मिलने गांधी नगर भी पहुंचे।

दिवाली पर सूरत-मुजफ्फरपुर सहित 14 जोड़ी ट्रेनों में जोड़े जाएंगे अतिरिक्त कोच

पश्चिम रेलवे ने दिवाली पर बढ़ने वाली भीड़ के मद्देनजर सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस सहित 14 जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। अतिरिक्त कोच से ज्यादा टिकट कन्फर्म होंगे और वेटिंग सूची में कमी आएगी। 09059/60 सूरत-मुजफ्फरपुर स्पेशल में एक अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच सूरत से 22 अक्टूबर से 28 नवंबर तक जुड़ेगा। 09021/22 बांद्रा टर्मिनस-लखनऊ स्पेशल में एक अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच 16 अक्टूबर से 28 नवंबर तक जोड़ा जाएगा। 09017/18 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार स्पेशल में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच 13 अक्टूबर से 2 दिसंबर तक जोड़ा जाएगा।

अब इस दौरान कहीं सवाल उठते हैं, कि कौन सा चमत्कार हुआ कि 12 वर्षसे चलता यह क्लिनिक का इतना कम समय में सर्टिफिकेट कहा से आ गया... ?

सूरत के पुनागाम विस्तारमें दिनांक ०५/१०/२०२१ को पटेल क्लीनिक और प्रसुतिगृह नाम के 3 मंजिल की क्लीनिक पर सुरत मनपा के अफसरोने सिल कर कारवाई की गई थी, इस दौरान हमारे रिपोर्टर और केमेरा मेन वहा से पटेल क्लीनिक के मालिक डॉक्टर कपिल कसवाला से बातचीत में उन्होंने बताया कि मनपा की और से उन्हें कोई भी नोटिस जारी किया गया नहीं है और उन्हें एक सर्टिफिकेट नहीं है इसलिए तत्काल सिल किया गया है, इस दौरान हमारे रिपोर्टर ने अफसर को सवाल करते ही उन्होंने कोई भी जवाब न देकर कहा गया कि कमिश्नर श्री आशीष नायक साहब ही जवाब दे सकते हैं, यहीं कुछ गलत दिख रहा हैं, क्योंकि दूसरे दिन दिनांक ०६/१०/२०२१ को डॉक्टर का ऑफिस में जो सिल लगाए हैं, वह खुल चुके थे।।

गुजरात से बरामद 3000 किलो हेरोइन का पंजाब कनेक्शन

गुजरात पोर्ट पर पकड़ी गई 3000 किलो हेरोइन के तार पंजाब के अमृतसर से जुड़ रहे है। NIA ने शुक्रवार को पूर्व अकाली नेता और पंजाब सबऑर्डिनेट सर्विसेस बोर्ड के पूर्व सदस्य अनवर मसीह के घर दबिश दी। जांच टीम ने करीब 2 घंटे तक मसीह के परिवार से बात की। NIA की टीम सुबह 10 से 11 बजे के बीच अनवर के घर पहुंची। घर की तलाशी लेने के बाद टीम एक बैग में कुछ दस्तावेज लेकर करीब 12.30 बजे वहां से रवाना हुई। पिछले दिनों गुजरात के एक पोर्ट से 3000 किलो हेरोइन जब्त हुई थी। इस मामले में NIA ने एक व्यापारी को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के बाद अनवर मसीह का नाम सामने आया। 30 जनवरी 2020 को अनवर मसीह की अमृतसर कोठी से 197 किलो हेरोइन पकड़ी गई थी। NIA के हाथ कुछ ऐसे सबूत लगे हैं, जिससे 3000 किलो हेरोइन मामले में भी अनवर के शामिल होने की बात सामने आई है।पुराना केस भी NIA ने अपने हाथ में लिया गुजरात

में पकड़े गए हेरोइन के कंसाइनमेंट से मसीह का कनेक्शन सामने आने के बाद NIA ने पहले मिली 197 किलोग्राम हेरोइन केस की जांच भी अपने हाथ में ले ली है। उस मामले में जमानत के लिए अनवर मसीह कई बार याचिका लगा चुका है, लेकिन हर बार कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। अनवर ने कोर्ट से जमानत करवाने के लिए स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। इस पर STF ने अनवर की तस्वीरें कोर्ट में पेश की थीं, जिनमें वह केस रद्द कराने के लिए प्रदर्शन कर रहा था। इसके बाद कोर्ट ने उसे सरेंडर करने के लिए कहा। कोर्ट की सख्ती के बाद उसने सरेंडर कर हाईकोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई। STF ने NIA की जांच का हवाला देते हुए उसे जमानत नहीं लेने द। वह तभी से जेल में है। मसीह ने केस रद्द कराने को डाला था दबाव अनवर मसीह ने इसी साल जुलाई महीने में STF पर केस रद्द करने के लिए दबाव डाला था। उसने कहा था कि उसे बेवजह परेशान किया जा रहा है। उसने पुलिस पर झूठे केस दर्ज करने का आरोप लगाया था।

बिग बैश लीग में भारतीय महिला क्रिकेटरों की धूम, अब पूनम यादव ने ब्रिस्बेन हीट के साथ किया करार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की लेग स्पिनर पूनम यादव ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाली बिग बैश लीग में हिस्सा लेंगी। वह भारत की आठवीं महिला क्रिकेटर हैं जो ऑस्ट्रेलिया में खेली जाने वाली

महिलाओं की घरेलू टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में खेलेंगी। उन्होंने आगामी सीजन 2021 के लिए ब्रिस्बेन हीट के साथ करार किया है। 30 वर्षीया टीम इंडिया की कलाई की स्पिनर को न्यूजीलैंड की स्टार एमिलिया केर के हटने के बाद ब्रिस्बेन टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं पूनममौजूदा समय में पूनम यादव टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के दो मुकाबलों में खेली थीं। लेकिन उन्हें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए डे/नाइट टेस्ट मैच में टीम में शामिल नहीं किया गया। वह आगामी सत्र के लिए महिला बिग बैश लीग में टीम से जुड़ने वाली आठवीं भारतीय खिलाड़ी हैं।ये भारतीय महिला क्रिकेटर कर चुकी हैं करारऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाली महिला बिग बैश लीग में टीम इंडिया की जिन महिला क्रिकेटरों ने साइन किया है उनमें शेफाली वर्मा, राधा यादव (दोनों सिडनी सिक्सर्स), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा (दोनों सिडनी थंडर), ऋचा घोष (होबार्ट हरिकेन्स) जेमिमा रोड्रिग्ज और हरमनप्रीत कौर (मेलबर्न रेनेगेड्स) जबकि, पूनम यादव ने ब्रिस्बेन हीट के साथ करार किया है।एश्ले नोफ्के ने जताई खुशीपूनम यादव के ब्रिस्बेन हीट के साथ जुड़ने के बाद कोच एश्ले नोफ्के ने खुशी जताई। उन्होंने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बात करते हुए कहा, जब हमने एमिलिया को खो दिया तो हमें भरोसा था कि हम अपनी टीम का समर्थन कर सकते हैं, पूनम के कौशल और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को जोड़ना एक बहुत बड़ा परिणाम है। नोफ्के ने आगे कहा, वह मेली के लिए एक अलग तरह की गेंदबाज हैं, हम इस बारे में स्पष्ट हैं कि अपने लाइन अप में उनकी प्रतिबा का सर्वोत्तम इस्तेमाल कर सकते हैं। पूनम यादव का क्रिकेट करियरपूनम यादव ने भारत के लिए सिर्फ एक टेस्ट खेला है। जिसमें तीन विकटे लिए थे। इसके अलावा वह टीम इंडिया के लिए 54 एकदिवसीय मैच खेल चुकी हैं जिनमें उनके नाम 76 विकेट दर्ज हैं।

वनडे क्रिकेट में 13 रन पर चार विकेट आउट करना उनका सर्वश्रेष्ठ गेदबाजी प्रदर्शन है। इतना ही नहीं पूनम ने 71 महिला टी-20 इंटरनेशनल मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया जिनमें उन्होंने 98 विकेट झटके हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 9 रन देकर चार विकेट आउट करना उनका सर्वश्रेष्ठ गेदबाजी विश्लेषण है।

लीग में पहली बार होंगे एक ही समय पर दो मुकाबले, जानें कब-कहां और कैसे देखें SRH vs MI और RCB vs DC मैच की लाइव स्ट्रीमिंग

आईपीएल 2021 में ऐसा पहली बार होगा जब एक ही समय पर दो मैच खेले जाएंगे। यह मुकाबले शुक्रवार यानी आज होंगे। इंडियन प्रीमियर लीग का 55वां मैच सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाएगा। हैदराबाद प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। वहीं मुंबई के इस सत्र में प्ले ऑफ में पहुंचने के चांस न के बराबर हैं। मुंबई को प्ले ऑफ में अगर जगह बनानी है तो उसे हैदराबाद को बहुत बड़े अंतर से हराना होगा। नहीं तो कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम प्ले ऑफ में लगभग

अपनी जगह पक्की कर चुकी है। आज ही आईपीएल का दूसरा मैच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले को भारी अंतर से जीतकर विराट की टीम दूसरे स्थान पर जाने की कोशिश करेगी। पिछला मुकाबला सनराइजर्स के खिलाफ हार चुकी आरसीबी की राह अंकतालिका में नंबर एक पर मौजूद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आसान नहीं होगी। विराट की टीम इस समय तीसरे स्थान पर है। आरसीबी के अभी 16 अंक हैं और उसका नेट रन रेट चेन्नई सुपर किंग्स के कम है। कब और कहां खेला जाएगा सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला?सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2021 का 55वां मुकाबला अबुधाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में 8 अक्टूबर को खेला जाएगा।रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आईपीएल का 56वां मैच दुबई में 8 अक्टूबर को खेला जाएगा।कितने बजे शुरू होंगे दोनों मैच?सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाने वाला मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शे शुरू होगा। मैच से आधा घंटे पहले यानी 7 बजे टॉस होगा। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाने वाला मुकाबला भी भारतीय समयानुसार 7.30 बजे से शुरू होगा और मैच से आधा घंटे पहले टॉस होगा। सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले जाने वाले दोनों मैचों का लाइव प्रसारण आप स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं।

टी-20 वर्ल्डकप-संजू सैमसन और हर्षल पटेल को मिल सकता है वर्ल्डकप का टिकट, भारतीय टीम में पांच बदलाव संभव

आईपीएल 2021 में आज लीग मैच समाप्त हो रहे हैं और रविवार से प्लेऑफ मैच शुरू होंगे। इस बीच बीसीसीआई के अधिकारी और चयनकर्ता शनिवार को बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी और भारतीय टीम में भी बदलाव किया जा सकता है। हालांकि, कई दिग्गजों का मानना है कि अंतिम समय में वर्ल्डकप की टीम में बदलाव नहीं होना चाहिए और चयनकर्ताओं ने भी इसी बात के संकेत दिए हैं कि टीम इंडिया में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके बावजूद भारतीय टीम में बदलाव के कयास लगाए जा रहे हैं। हार्दिक पांड्या, ईशान किशन और भुवनेश्वर कुमार के खराब प्रदर्शन ने भारतीय चयनकर्ताओं की चिंता बढ़ाई है। इन खिलाड़ियों की जगह पर उन खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है, जिन्होंने आईपीएल 2021 के दूसरे लेग में शानदार प्रदर्शन किया है। आईसीसी के नियम के अनुसार 10 अक्तूबर तक टी-20 वर्ल्डकप के लिए टीम बदली जा सकती है। इनसाइड स्पोर्ट्स की खबर के अनुसार नौ अक्तूबर को होने वाली बैठक काफी अहम रहेगी। हार्दिक की जगह शार्दुल को मिल सकता है मौकाहार्दिक पांड्या ने इस सीजन में बल्ले के साथ कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है और उनके गेंदबाजी न करने से टीम का संतुलन खराब होगा। ऐसे में चयनकर्ता उनकी जगह शार्दुल ठाकुर को टीम में शामिल कर सकते हैं। शार्दुल ने इस सीजन में गेंद से अच्छा

प्रदर्शन किया है और उन्हें बल्लेबाजी करनी भी आती है। भारत को अपने अधिकतर मैच दुबई में खेलने हैं और वहां की धीमी पिच पर शार्दुल की धीमी गेंद काफी प्रभावी रहेगी। ईशान किशन की जगह संजू सैमसन हो सकते शामिलविकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में बहुत ही खराब प्रदर्शन किया है। उन्होंने सिर्फ राजस्थान के खिलाफ मैच में एक अच्छी पारी खेली थी।

ऊर्जा संकट-खतरे में पड़ रही हैं अर्थव्यवस्थाएं, जल्द समाधान की उम्मीद नहीं

दुनियाभर में ऊर्जा संकट हर रोज ज्यादा गंभीर होता जा रहा है। कोरोना महामारी के बाद बिजली और पेट्रोलियम की तेजी से बढ़ रही मांग और मौसम संबंधी भविष्यवाणियों के कारण दुनिया के लगभग हर क्षेत्र में चिंता बढ़ रही है। कोयले और पेट्रोलियम पर निर्भरता घटाते हुए ग्रीन एनर्जी की तरफ बढ़ने की अपनाई गई नीतियों ने मुश्किलों में और इजाफा कर दिया है। पश्चिमी देशों में सरकारें उपभोक्ताओं को इस संकट के असर से बचाने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं। लेकिन कई देशों की सरकारों ने स्वीकार किया है कि वे ऊर्जा की महंगाई रोकने में सक्षम नहीं हैं।ऊर्जा संकट के लक्षण सबसे पहले चीन में नजर आए, जहां बिजली की कमी के कारण बड़े पैमाने पर लोड शेडिंग करनी पड़ी। उसके बाद ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के देशों में ये संकट दिखा। यूरोपियन यूनियन के ऊर्जा प्रमुख केड्री सिमसन ने अमेरिकी टीवी चैनल सीएनएन से कहा- 'इस अहम मौके पर ऊर्जा की महंगाई एक अप्रत्याशित संकट के रूप में आया है। इसके बीच फौरी प्राथमिकता इसके सामाजिक असर को काबू में रखने और उपभोक्ताओं को संरक्षण देने की होनी चाहिए।' यूरोप में प्राकृतिक गैस की कीमत में सितंबर की शुरुआत से लेकर अभी तक 130 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है।पूर्वी एशिया में प्राकृतिक गैस की कीमत इसी अवधि में 85 फीसदी बढ़ी है। अमेरिका में अभी कीमतें काबू में हैं। इसकी वजह यह है कि अमेरिका प्राकृतिक गैस का एक प्रमुख निर्यातक है। फिर भी वहां इस समय गैस की जो कीमत है, वह 13 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में ऊर्जा विशेषज्ञ निकोस साफोस ने सीएनएन से कहा- 'कीमतों में बढ़ोतरी इस फैले डर की वजह से भी हुई है कि सर्दियों में क्या होगा। इस चिंता ने मांग और आपूर्ति के आम संबंध को तोड़ दिया है।' मौसम वैज्ञानिकों ने कहा है कि इस साल सामान्य से ज्यादा सर्दी पड़ेगी।प्राकृतिक गैस की महंगाई के कारण कोयला और कच्चे तेल के दामों में भी उछाल आया है। प्राकृतिक गैस के विकल्प के रूप में इन दोनों ईंधनों का इस्तेमाल होता है। इस स्थिति ने सरकारों और निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। पश्चिमी मीडिया के एक हिस्से में इस संकट के लिए चीन और रूस को दोषी ठहराया जा रहा है। उनकी रिपोर्टों में कहा गया है कि चीन में प्राकृतिक गैस की बढ़ी मांग का असर दुनिया भर पर पड़ा है। उधर इसी मौके पर रूस ने गैस का निर्यात घटा दिया। फ्रेंच बैंक सोसाइते जेनराल बैंक के ऊर्जा विश्लेषकों ने कहा है- 'यूरोप में ऊर्जा के दाम में हुई मौजूदा बढ़ोतरी अभूतपूर्व है। अतीत में कभी बिजली की कीमत इतनी तेजी इस सीमा तक नहीं बढ़ी। जबकि अभी सर्दी नहीं आई है और मौसम सामान्य है।'कंसल्टेंसी फर्म यूरेशिया ग्रुप में ऊर्जा, जलवायु और संसाधन टीम के निदेशक हेनिग ग्लोयस्टीन ने कहा है- 'यूरोप में सर्दियों में सप्लाई में कमी की सबसे ज्यादा आशंका ब्रिटेन में है। अगर ऐसा हुआ तो सरकार को कारखानों को गैस उपभोग घटाने के लिए कहना पड़ेगा, जिससे उत्पादन घटेगा। ये चिंता भी है कि गैस की बढ़ रही कीमतों के कारण महामारी के बाद यूरोप की अर्थव्यवस्था में हो रहा सुधार खतरे में पड़ जाएगा।

बीते तीन साल में 85 देशों में सैनिक कार्रवाई की अमेरिका ने

अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एलान किया था कि इसके साथ ही विदेशों में अमेरिका के सैनिक अभियानों को खत्म किया जा रहा है। लेकिन अमेरिकी अखबार यूएसए टुडे ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिका 'आतंक के खिलाफ' दुनिया में कुल कितने अभियान चला रहा है, इस बारे में अभी तक खुद अमेरिका के लोगों को पूरी जानकारी नहीं है।अखबार ने बताया है कि सिर्फ पिछले तीन वर्षों में अमेरिका की इन सैनिक कार्रवाइयों के दायरे में दुनिया के कम से कम 85 देश आए। अमेरिका ने 'आतंक के खिलाफ युद्ध' की शुरुआत 11 सितंबर 2001 को वहां हुए आतंकवादी हमलों के बाद की थी। यूएसए टुडे ने ध्यान दिलाया है कि अभियान शुरू होने के 20 महीने बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने एलान किया था कि अमेरिका ने अपना मिशन पूरा कर लिया है। लेकिन हकीकत यह है कि उस घोषणा के 18 साल बाद भी पश्चिम एशिया और दुनिया के दूसरे इलाकों में अमेरिका की सैनिक कार्रवाइयां जारी हैं।इस रिपोर्ट के मुताबिक 2018 से 2020 के बीच अमेरिका ने 85 देशों में 'आतंकवाद विरोधी कार्रवाइयां'

कीं। यूएसए टुडे ने ये रिपोर्ट अनुसंधानकर्ता स्टीफाइन सावेल के जुटाए आंकड़ों के आधार पर छापी है। सावेल ने ब्राउन यूनिवर्सिटी के कॉस्ट्स ऑफ वॉर प्रोजेक्ट के लिए ये रिसर्च किया। कॉस्ट्स ऑफ वॉर प्रोजेक्ट के तहत सैनिक कार्रवाइयों पर अमेरिका के कुल खर्च का जायजा लेने की कोशिश की गई है। स्टीफाइन सावेल ने ध्यान दिलाया है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी सैनिक ताकत है। अमेरिकी सैनिक दुनिया के हर हिस्से में तैनात हैं। इसलिए आतंक के खिलाफ युद्ध के दौरान उसके लिए हर क्षेत्र में सैनिक कार्रवाई करना आसान बना रहा है। कॉस्ट्स ऑफ वॉर प्रोजेक्ट के आंकड़ों के मुताबिक इस युद्ध के दौरान लाखों आम लोगों और हजारों अमेरिकी सैनिकों की जान गई। इसकी वजह से तीन करोड़ 70 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए। ये युद्ध दो दशक से चल रहा है, जिस पर 6.4 ट्रिलियन डॉलर की रकम खर्च हुई है।यूएसए टुडे के मुताबिक कई अमेरिकी सैनिक विशेषज्ञों का दावा है कि आतंक के खिलाफ युद्ध की जो कीमत चुकाई गई, उससे हुए फायदे उसकी तुलना में कहीं ज्यादा हैं। जबकि दूसरे विशेषज्ञों का कहना है कि इस युद्ध ने अमेरिका को नुकसान पहुंचाया है। उनके मुताबिक इस बीच युद्ध का चरित्र बदल गया है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट-भारत में हर छह बहुआयामी गरीबों में से पांच निचली जनजातियों या जातियों से

संयुक्त राष्ट्र की ओर से वैश्विक बहुआयामी गरीबी पर जारी एक नए अध्ययन में कहा गया है कि भारत में हर छह बहुआयामी गरीब व्यक्तियों में पांच लोग निचली जनजातियों या जातियों से होते हैं। यह बात गुरुवार को जारी वैश्विक बहुआयामी गरीबी इंडेक्स (एमपीआई) नामक रिपोर्ट में कही गई है। गरीबी पर यह नई रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड गरीबी एवं मानव विकास पहल ने तैयार की है।रिपोर्ट में कहा गया, छह बहुआयामी गरीबों में से पांच निचली जनजातियों या जातियों से आते हैं। अनुसूचित जनजाति समूह की देश में आबादी की 9.4 फीसदी हिस्सेदारी है और यह समूह सबसे ज्यादा गरीब है। इस समूह की 12 करोड़ 90 लाख की आबादी में से लगभग 65 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी में जी रहे हैं। इसके बाद अनुसूचित जनजाति समूह आता है। इस समूह के 33.3 फीसदी लोग बहुआयामी गरीबी में जी रहे हैं।अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में बहुआयामी गरीबों की संख्या 27.2 फीसदी है। इस समूह के 58 करोड़ 80 लाख लोगों में से 16 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी में जीवन यापन कर रहे हैं। विश्व स्तर पर 130 करोड़ बहुआयामी गरीब लोगों में से लगभग दो तिहाई (83 करोड़ 60 लाख) ऐसे घरों में रहते हैं जहां किसी भी महिला सदस्य ने कम से कम छह साल की स्कूली शिक्षा भी पूरी नहीं की है, इसका पूरे वैश्विक समाज पर असर पड़ रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि उप सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में ऐसे 83 करोड़ 60 लाख लोग रहते हैं। सात देशों में ऐसे लोगों की संख्या 50 करोड़ से भी अधिक है। ये देश भारत (22 करोड़ 70 लाख),

पाकिस्तान (सात करोड़ 10 लाख), इथियोपिया (पांच करोड़ 90 लाख), नाइजीरिया (पांच करोड़ 40 लाख), चीन (तीन करोड़ 20 लाख), बांग्लादेश (तीन करोड़) और डेमोक्रोटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो (दो करोड़ 70 लाख) हैं।

बॉलीवुड एक्टर विनोद दुलगंच की दूसरी हिंदी फ़िल्म "तिज्जु भाई" का टीज़र गांधी जयंती के अवसर पर होगा रिलीज

बलात्कारियों को अपने तरीके से सजा देंगे "तिज्जु भाई", 29 अक्टूबर को होगी फ़िल्म रिलीज

बलात्कार की घटनाएं आज हमारे देश की अहम समस्या बन गई है। बलात्कारियों को अपने तरीके से सजा देने का फैसला किया है विनोद दुलगंच "तिज्जु भाई" ने। दरअसल बॉलीवुड एक्टर विनोद दुलगंच अब अपनी सेकंड फ़िल्म "तिज्जु भाई" लेकर आ रहे हैं जिसमें वह टाइटल रोल कर रहे हैं। वह रेपिस्ट को अपने ढंग से मारते हैं और समाज को एक सन्देश भी देते हैं। विनोद दुलगंच की एक्शन, थ्रिलर फ़िल्म तिज्जु भाई का टीज़र गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को वी ऐंड वी एंटरटेनमेंट के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने जा रहा है। 2 अक्टूबर को ही मुम्बई में विनोद दुलगंच को महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021 से नवाजा जाएगा।विनोद दुलगंच की यह फ़िल्म तिज्जु भाई 29 अक्टूबर को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। वी ऐंड वी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म तिज्जु भाई के निर्माता वी ऐंड वी एंटरटेनमेंट, सुष्मिता शौकीन हैं जबकि डायरेक्टर पवन प्रताप सिंह हैं। इस फ़िल्म में विनोद दुलगंच के अलावा रजा मुराद, पवन राज, कीर्ति कुमार उर्फ सत्ता, सागर शर्मा दिखाई देंगे। इस रोमांटिक एक्शन फिल्म की शूटिंग हरियाणा में की गई है। फ़िल्म में 3 सिचुएशनल सांग भी हैं। फ़िल्म का टाइटल सांग बॉलीवुड के मशहूर सिंगर नक्काश अज़ीज़ ने गाया है जबकि एक आइटम सॉन्ग और एक सैड सांग भी है। आपको बता दें कि विनोद दुलगंच की पहली हिंदी फिल्म "अब ये गलतियां ना हों" 26 मार्च 2021 को रिलीज हुई थी। इस फ़िल्म में विनोद दुलगंच के अलावा शाहबाज खान, मुश्ताक खान और सुनील पाल ने काम किया था।गौरतलब है कि विनोद दुलगंच मुम्बई में रहते है लेकिन वह हरियाणा के अपने गांव अलेवा से ही जुड़े हुए हैं। वह अपनी फिल्मों की शूटिंग हरियाणा में ही करते हैं और वहां के स्थानीय कलाकारों को फ़िल्म में काम करने का अवसर भी देते हैं। विनोद का मुम्बई की फिल्मी दुनिया तक का सफर काफी स्ट्रगल भरा रहा है। हरियाणा में रामलीला मंच पर और ड्रामा पार्टी में अभिनय करने के दौरान उन्हें फिल्मों में काम करने का जुनून सवार हुआ और मायानगरी चले आए। कई वर्षों के लगातार संघर्ष के बाद अब विनोद ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। विनोद ने फ़िल्म अब ये गलतियां ना हों में लीड रोल अदा किया और अब तिज्जु भाई में हीरो हैं। फ़िल्म के पोस्टर में उनका लुक कमाल का है और इस फ़िल्म में खतरनाक एक्शन, बेहतरीन लोकेशन देखने को मिलेगी। फ़िल्म साउथ सिनेमा की याद दिला देगी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी।विनोद दुलगंच की आने वाली फिल्मों में सुष्मिता, कीचड़, सिंघु बॉर्डर शामिल है। उनका ओटीटी प्लेटफार्म देसी बुल भी जल्द आने वाला है, जिसमे वेब सीरीज और म्यूज़िक वीडियो पेश किए जाएंगे।

दंगल टीवी के नम्बर वन शो "रंजू की बेटियां" ने कंप्लीट किए 200 एपिसोड्स, केक काटकर सेट पर मनाया गया जश्न

दंगल टीवी के नम्बर वन शो रंजू की बेटियां ने 200 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर धारावाहिक के तमाम कलाकारों ने सेट पर जश्न मनाया और एक शानदार केक काटकर इस अद्भुत उपलब्धि को सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर शो का एक बेहद इम्पोर्टेन्ट सीन भी शूट किया गया जिसमें रौशनी गन पॉइंट पर शादी करने का प्लान रचती है। इस धारावाहिक में गुड्डू मिश्रा का रोल कर रहे अय्यूब खान ने कहा कि रंजू की बेटियां के 200 एपिसोड्स पूरे होना आज के दौर में बड़ी उपलब्धि है क्योंकि आजकल अधिकतर टीवी शोज़ बहुत जल्दी बंद हो जाते हैं। मैं इसका श्रेय दंगल टीवी की क्रिएटिव टीम, तमाम यूनिट मेम्बर्स और दर्शकों को दूंगा कि ऑडिएंस ने इस शो को खूब प्यार दिया है, हर किरदार को सराहा है। गुड्डू मिश्रा और ललिता का रिश्ता एक पहेली जैसा है, कभी प्यार है कभी तकरार है। ललिता शो में मसाला डालती हैं, उनकी वजह से कहानी में दिलचस्प मोड़ आते हैं। रंजू एक संस्कारी बहु हैं। आज का सीक्वेंस कमाल का है। रौशनी विशेष की लाइफ में आई है और उसे पाना चाहती है, उससे शादी करना चाहती है। रौशनी विशेष की वाइफ शालू को उसकी जिंदगी से बाहर निकाल देना चाहती है। जाहिर सी बात है इससे न गुड्डू खुश है, न रंजू खुश है और न विशेष खुश हैं। लेकिन रौशनी की जिद है कि वह विशेष को हर कीमत पर हासिल कर के रहेगी।

अय्यूब खान और दीपशिखा के पुत्र लक्की मिश्रा का रोल कर रहे करण खंडेलवाल ने बताया कि मेरा एक रिकॉर्ड है कि आज तक मैने जो भी शोज किए हैं सभी ने 300 एपिसोड पूरे किए हैं। इसलिए रंजू की बेटियां के 200 एपिसोड पूरे होने पर मैं बहुत खुश हूं और सभी दर्शकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मेरे किरदार लक्की को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। रौशनी जो गन पॉइंट पर शादी कर रही है यह भी ललिता जी की एक चाल है अब देखना होगा कि यह प्लान कितना कामयाब होता है। दीपशिखा नागपाल ने कहा कि मैं रंजू की बेटियां के 200 एपिसोड पूरे होने पर हद से ज्यादा खुश हूं। इसमें पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है और सभी को मुबारकबाद देना चाहती हूं। ललिता का मेरा किरदार काफी बेहतर है, वही शो में टर्न और ट्विस्ट लाती है। रौशनी को मैंने प्लांट किया था ताकि वह विशेष और शालू की जिंदगी में भूचाल मचाए। लेकिन रौशनी को विशेष से प्यार हो गया और वह गन पॉइंट पर शादी करवा रही है। इससे ललिता खुश है मगर पिक्चर अभी बाकी है, रौशनी के इस धमाके के बाद एक और बम फटना बाकी है। रूपल त्यागी ने कहा कि रंजू की बेटियां में ड्रामा लेवल इस समय बेहद हाई है। शो ने 200 एपिसोड्स कम्प्लीट किए हैं जो बड़ी बात है वरना आजकल 2-3 महीने में शोज़ बंद हो रहे हैं। रौशनी के किरदार कर रही अनुष्का श्रीवास्तव ने बताया कि रौशनी इस शो के सबसे क्यूट कपल शालू और विशेष के जीवन में गलतफहमियां पैदा कर रही है। अब रौशनी एक साइको रूप में आ गई है कि उसे विशेष से शादी करनी ही है और उसने गन उठा ली है। अब आगे क्या होता है इसके लिए आपको दंगल टीवी पर शो रंजू की बेटियां देखना होगा। शो में दीपशिखा नागपाल, अय्यूब खान, रीना कपूर, करण खंडेलवाल, जीवांश चड्ढा, मोनिका चौहान, रूपल त्यागी, आरुषि शर्मा, नवीन पंडिता और अनुष्का श्रीवास्तव जैसे कई कलाकार हैं। यह शो सोमवार से शुक्रवार रात 9:30 बजे सिर्फ दंगल टीवी पर देखा जा सकता है।

आर्टिस्ट और सोशल वर्कर शबनम खान और एडवोकेट शबाना खान (जयपुर हाई कोर्ट,) राजस्थान बी ए एल एल बी एल एल एम सिल्वर मेडलिस्ट को महात्मा गांधी जयंती के दिन महात्मा गांधी रत्न अवॉड से सम्मानित किया गया शबनम खान को इससे पहले 11 जुलाई 2021 को दादा साहब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया था

मुश्किल में 'शेरशाह!'

मुंबई, इसमें कोई शक नहीं कि कारगिल वॉर पर बनी फिल्म 'शेरशाह' ने लोगों का दिल जीत लिया। फिल्म को काफी तारीफ मिली, पर अब 'शेरशाह' मुश्किल में फंसती नजर आ रही है। सिद्धार्थ ने फिल्म में बहादुर वैâप्टन विक्रम बत्रा की भूमिका अदा की है। ओटीटी पर रिलीज होने के कई महीने बाद अब फिल्म मुश्किलों में फंसती दिख रही है। दरअसल, फराज अशरफ नाम के एक कश्मीरी पत्रकार का कहना है कि उनकी जिंदगी खतरे में है क्योंकि 'शेरशाह' के मेकर्स ने उनकी कार की नंबर प्लेट का इस्तेमाल फिल्म में करते हुए इसे आतंकियों की गाड़ी दिखाया है। फराज ने अपनी कार व फिल्म में इस्तेमाल की गई कार की तस्वीरें शेयर की हैं। फराज ने ट्विटर पर लिखा, 'मुझे और मेरे परिवार को धमकी मिल रही है। मैं कार से चल नहीं सकता हूं क्योंकि इस वजह से सुरक्षा नहीं महसूस होती है। मैंने किसी भी प्रोडक्शन हाउस को मेरी कार का रजिस्टर्ड नंबर यूज करने की परमिशन नहीं दी। अब मैंने तय किया है कि मैं 'धर्मा मूवीज' के खिलाफ लड़ूंगा, जिससे पूरे देश में फिल्म का ब्रॉडकास्ट रुके।' पत्रकार ने आगे लिखा, 'मैं प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ केस फाइल कर रहा हूं।' अब देखना है कि दर्शकों का मोर्चा फतह कर चुका 'शेरशाह' इस मसले से वैâसे निपटता है!

एफिल के सामने 'कैटवॉक'

मुंबई, बात थोड़ी अजीब है पर ऐसा हुआ है। आमतौर पर पैâशन वीक बंद हॉल में मनाए जाते हैं, जहां रैंप पर खूबसूरत लड़कियां वैâटवॉक करती हैं। मगर इस बार का फ्रेंच फैशन वीक थोड़ा अलग नजर आया। वहां एफिल टॉवर के सामने मॉडल्स ने विभिन्न डिजाइनरों के कपड़े पहनकर वैâटवॉक किया। हाल ही में ऐश्वर्या राय एफिल टॉवर के सामने वैâटवॉक करती नजर आईं। सफेद वस्त्रों में ऐश्वर्या किसी परी के जैसी लग रही थीं। सोशल मीडिया पर इस फोटो के आते ही पैंâस ने जबरदस्त प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ऐश्वर्या की तुलना अप्सराओं से की। बता दें कि दो दिन पहले अभिषेक बच्चन ने इंस्टा पर अपने परिवार की फोटो डाली थी और बताया था कि वे पेरिस में छुट्टियां मना रहे हैं। पर अब पता चला कि साथ में मॉडलिंग भी हो गई। यानी आम के आम गुठलियों के दाम!

तीर धनुष से हमला

मुंबई, फिल्मों में नए सब्जेक्ट का अकाल है तो क्या किया जाए? चलो एक बार फिर 'रामायण' बनाते हैं। राम-रावण की कहानी को पर्दे पर दिखाते हैं। यह सुपरहिट फॉर्मूला है। बॉलीवुड में पहले भी रामायण पर कई फिल्में बन चुकी हैं। ब्लैक एंड वाइट के जमाने से लेकर कलर तक में। अब एक बार फिर मधु मेन्टेना और नमिता मल्होत्रा रामायण बनाने जा रहे हैं। यहां तक तो ठीक है पर राम और रावण के लिए जिन नामों की चर्चा चल रही है, उस पर भी जरा गौर फरमा लीजिए। सुनने में आ रहा है कि राम के लिए रणबीर कपूर के नाम की चर्चा हो रही है। वहीं रावण के लिए रितिक रोशन का नाम चल रहा है। यानी पर्दे पर इन दोनों का सामना राम और रावण के रूप में होनेवाला है। सुनने में आया है कि दोनों सितारों के साथ प्रथम दौर की बातचीत हो चुकी है। यह फिल्म अगले साल फ्लोर पर जानेवाली है। अभी तक सीता का नाम फाइनल नहीं हुआ है। यानी सब कुछ ठीक रहा तो अगले साल रितिक और रणबीर एक दूसरे पर हाथों में धनुष लेकर तीर चलाते देखे जाएंगे!

सोशल मीडिया-सिद्धार्थ शुक्ला की मौत के बाद पहली बार सामने आई शहनाज गिल, फैंस ने कहा- हौसला रख..

बिग बॉस 13 के विनर और टीवी अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला का 2 सितंबर को निधन हो गया था। अभिनेता के निधन के बाद उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड शहनाज गिल बुरी तरह टूट गई थीं, जिसने भी शहनाज गिल को सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार के समय देखा था, उसकी आंखें नम हो गई थीं। इतना नहीं, सिद्धार्थ की मौत के बाद शहनाज अब तक फैंस के सामने नहीं आई हैं, ऐसे में एक्ट्रेस के फैंस लगातार सवाल कर रहे हैं कि, शहनाज कैसी हैं? वहीं, इन सबके बीच अब शहनाज गिल ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'हौसला रख' की बची हुई शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका एक वीडियो सामने आया है। शहनाज का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, हाल ही में फिल्म 'हौसला रख' के अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जो उनकी फिल्म के प्रमोशन का वीडियो है। इस वीडियो में दिलजीत के साथ शहनाज गिल और सोनम बाजवा नजर आ रही हैं। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि, शुरुआत में सिर्फ दिलजीत और सोनम ही नजर आते हैं, लेकिन फिर दोनों के साथ शहनाज भी शामिल हो जाती हैं। इस दौरान तीनों स्टार्स मिलकर अपनी फिल्म के डायलॉग को रीक्रिएट कर रहे हैं। इतना ही नहीं, वीडियो में आगे एक ऐसा मौका भी आता है, जब शहनाज और सोनम अपने को-स्टार दिलजीत को पीटने की कोशिश करती हैं।इस वीडियो के साथ दिलजीत दोसांझ ने एक प्यारा सा कैप्शन दिया है। उन्होंने लिखा है, 'मैंने इसे प्यार किया और इसने मेरे साथ ये किया। हौसला रख इस दशहरा, 15 अक्तूबर को।' सोशल मीडिया पर इस वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है, क्योंकि सिद्धार्थ शुक्ला की मौत के बाद ये पहला मौका है, जब शहनाज इतना खुश नजर आई हैं। इसके अलावा, कुछ ऐसी रिपोर्ट्स भी सामने आई हैं, जिसमें दावा किया गया है कि, शहनाज गिल अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए 7 अक्तूबर को विदेश रवाना हो चुकी हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर शहनाज के फैंस काफी ज्यादा खुश नजर आ रहे हैं। फैंस ने एक्ट्रेस के लिए 'हौसला रख शहनाज' ट्विटर पर ट्रेंड करवा दिया है। इस दिन रिलीज होगी फिल्मदिलजीत दोसांझ, शहनाज गिल और सोनम बाजवा की फिल्म 'हौसला रख' 15 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्देशक अमरजीत सरोन हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसे फैंस के खूब पसंद किया था।

बॉलीवुड-विवादों से खुद को कोसों दूर रखते हैं ये सितारे, ट्रोल्स भी नहीं ढूंढ पाते कोई कमी

बॉलीवुड की जगमगाती दुनिया में जितनी शोहरत और दौलत मिलती है बदनामी फैलने का डर भी उतना ही ज्यादा बना रहता है। आए दिन बॉलीवुड में कोई ना कोई सितारा किसी विवाद का हिस्सा बन जाता है। बड़े बड़े कानूनी मामलों के साथ साथ छोटी छोटी बातों पर बॉलीवुड सितारे ट्रोलिंग का भी शिकार हो जाते हैं। कभी कपड़ों को लेकर तो कभी किसी बयान को लेकर ये सितारे आए दिन सुर्खियों में बने रहते हैं। हालांकि बॉलीवुड में कुछ सितारे ऐसे भी हैं जो खुद को विवादों से दूर रखते हैं।विवादों से खुद को दूर रखते हैं ये सितारेऐसा नहीं है कि इनका नाम किसी विवाद में आया ही नहीं या किसी बात को लेकर ये सुर्खियों में ना रहे हों। मनोरंजन जगत में हर छोटी से छोटी बात भी मुद्दा बन जाती है लेकिन ये वो सितारे हैं जिन्होंने किसी भी विवाद का और बड़ा तमाशा नहीं बनाया। एनसीबी और ईडी ऑफिस के चक्कर काटने वाले सितारों के बीच आपको बताते हैं कुछ ऐसे सितारों का नाम जो शांति से जीते हैं अपनी जिंदगी।

रानी मुखर्जीबॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने इंडस्ट्री में खूब नाम कमाया है। अपनी अनोखी आवाज और दमदार अभिनय से उन्होंने अलग पहचान बनाई। हालांकि रानी का नाम जल्दी किसी विवाद में सामने नहीं आता है। रानी सोशल मीडिया पर भी नहीं है और ना ही वो किसी मुद्दे पर अपनी बेबाक राय रखती हैं। रानी अपनी निजी जिंदगी को दुनिया के सामने लाना पसंद नहीं करती हैं ये ही वजह है कि उनके नाम पर कभी कोई बड़ा विवाद नहीं हुआ।

आयुष्मान खुरानाआयुष्मान खुराना इंडस्ट्री के उन अभिनेताओं में शामिल हैं जो लीक से हटकर स्क्रिप्ट चुनते हैं और उन पर अभिनय करते हैं। जिन विषयों को हमारे देश में संवेदनशील समझा जाता है उस पर भी आयुष्मान दमदार अभिनय कर लोगों का दिल जीत लेते हैं। आयुष्मान ने कड़ी मेहनत से खुद को इस मुकाम तक पहुंचाया है और एक सफल अभिनेता होने के बावजूद आज तक उनका नाम किसी बड़े विवाद में नहीं आया है। साथ ही अपने लुक्स को लेकर आयुष्मान काफी सुर्खियां बटोरते हैं।

श्रद्धा कपूरबॉलीवुड की स्त्री श्रद्धा कपूर भी अपने काम से काम रखना पसंद करती हैं। श्रद्धा एक से बढ़कर एक फिल्में करती हैं लेकिन उन्हें हमेशा चर्चा में बने रहना अच्छा नहीं लगता। इसी वजह से वो किसी भी मुद्दे पर जबरदस्ती अपनी कोई राय नहीं देती हैं। श्रद्धा भी अपनी लव लाइफ को कैमरे से दूर रखती हैं ऐसे में अब तक श्रद्धा किसी बड़े विवाद का हिस्सा नहीं बनी हैं।

जिम्मी शेरगिलमोहब्बतें के चॉकलेटी ब्वॉय से लेकर तनु वेड्स मनु के राजा अवस्थी के किरदार तक जिम्मी ने हर रंग से दर्शकों को अपना फैन बनाया है। जिम्मी फिल्म में छोटे किरदार में हो या बड़े दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहते हैं। वहीं बॉलीवुड के किसी भी विवाद से वो खुद को दूर रखते हैं और सिर्फ अपने काम से काम रखते हैं। ये ही वजह है कि ट्रोल्स भी उनमें कोई कमी नहीं निकाल पाते हैं।

आर माधवनहिंदी सिनेमा के सुलझे अभिनेता कहे जाने वाले मैडी यानि की माधवन का नाम भी कभी किसी विवाद में सामने नहीं आया। वहीं माधवन अक्सर किसी ना किसी उपलब्धि को लेकर चर्चा में रहते हैं। उनके जड़ से जुड़ाव और इंडस्ट्री के काम दोनों को लेकर जबरदस्त तारीफ होती है।

राजकुमार रावराजकुमार इंडस्ट्री के एक दमदार अभिनेता हैं जिन्होंने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है। राजकुमार मिट्टी से जुड़े इंसान है इसलिए उनकी बातों में बेबाकी होती है लेकिन उस पर विवाद नहीं होता है। राजकुमार एक से बढ़कर एक फिल्में करते हैं और लोगों का उनका देसी अंदाज भी काफी पसंद आता है।

किफायती रेंटल हाउसिंग बनाने की चुनौती

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

प्रवासियों और शहरी गरीबों का आवास हमेशा एक महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। हाल ही में COVID-19 के कारण बड़े पैमाने पर रिवर्स माइग्रेशन के परिणामस्वरूप शहरों में कार्यबल की कमी हो गई है और आर्थिक गतिविधियों के उपक्रम पर चिंता बढ़ गई है। चूंकि श्रम किसी भी आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है, भारत सरकार ने समावेशी शहरी विकास प्राप्त करने के लिए उनके लिए किराये के आवास को बढ़ावा देने की योजना बनाई है।

आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज के हिस्से के रूप में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार ने किफायती रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (ARHC) प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी (PMAY-U) के तहत की घोषणा की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शहरी गरीबों को औद्योगिक क्षेत्र में और अनौपचारिक शहरी अर्थव्यवस्था में उनके कार्यस्थलों के करीब, जीवन को आसान बनाना और सम्मानजनक / नियोजित आवास तक पहुंच प्रदान करना है।

सरकार ने दो मॉडल में विभाजित एक बुनियादी योजना ढांचा जारी किया है जिसमें परिचालन अनुमति देने की योजना बना रही है। योजना का उद्देश्य नोबेल है, लेकिन सफलता की कुंजी इसके प्रभावी कार्यान्वयन में निहित होगी। एक कुशल नियामक तंत्र जहां एकल खिड़की निकासी प्रणाली के तहत परमिट और अनुमोदन जल्दी से प्राप्त किया जा सकता है, योजना की व्यवहार्यता सुनिश्चित करेगा।

सभी के लिए आवास को किफायती बनाने और शहरी

दिशानिर्देश और अवधारणा नोट्स शामिल हैं।

मॉडल 1 के तहत, सरकार मौजूदा सरकारी वित्त पोषित खाली घरों को सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) या सार्वजनिक एजेंसियों के माध्यम से (ARHC) में बदलने की योजना बना रही है।

मॉडल 2 के तहत, सरकार सार्वजनिक / निजी संस्थाओं द्वारा अपनी उपलब्ध खाली भूमि पर एआरएचसी के निर्माण, संचालन और रखरखाव की क्षेत्रों में प्रवासी / कामकाजी आबादी के लिए वैकल्पिक समाधान प्रदान करने के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करते हुए, ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग के चौथे वर्ष के छात्रों ने डिजाइन प्रस्ताव तैयार किए हैं। विचार व्यावहारिक मॉडल डिजाइन विकसित करना है, जो कि मौजूदा उपनियमों के अनुसार समय की आवश्यकता को पूरा करता है। अधिक जानकारी वेबसाइट tsapmumbai.in पर जाकर प्राप्त की जा सकती है।

मुम्बई के मेयर हॉल में डॉ कृष्णा चौहान द्वारा "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का सफल और शानदार आयोजन

गांधी जयन्ती पर आयोजित अवार्ड शो में डॉ भारती लव्हेकर, एमएलए और गजेंद्र चौहान रहे चीफ गेस्ट, अनु मलिक, मधुश्री इत्यादि को मिला अवार्ड

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्तूबर को देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में डॉ कृष्णा चौहान ने "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का शानदार आयोजन किया। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (रजिस्टर्ड) प्रस्तुत महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" 2 अक्टूबर को मेयर हॉल, अंधेरी वेस्ट मुम्बई में बेहद सफल रहा। डॉ भारती लव्हेकर, वर्सोवा अंधेरी मुम्बई की एमएलए और गजेंद्र चौहान प्रोग्राम के चीफ गेस्ट थे जिन्हें इस सम्मान से नवाजा गया और इन्हीं के हाथों सभी को अवार्ड मिला।महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021 से जिन हस्तियों को सम्मानित किया गया उनमें सुनील बोंडे एसीपी, अनु मलिक, मधुश्री, गजेंद्र चौहान, डायरेक्टर मेहुल कुमार, प्रेमा किरण, सुनील पाल, एहसान कुरैशी, बीएन तिवारी,सिकन्दर खान, अरुण उग्रेजा, ज़ुबैर अली खान, ऐक्ट्रेस शबनम खान, मुनीश खान, गीतकार सुधाकर शर्मा, सिंगर चांदनी वेगड़ ,,(राजकोट) पारस अरुण बख्शी, दादा साहेब फाल्के के पोते चंद्रशेखर पुसाल्कर, डॉ योगेश लखानी, गणेश पचाने, आदत एमपी डायरेक्टर साउथ सिनेमा, वीआईपी कॉमेडियन, अली खान, एकता जैन, बबलू एक्स पोकल्स, आर राजपाल बेस्ट पब्लिसिटी डिज़ाइनर का नाम उल्लेखनीय है।एंकर सिमरन आहूजा ने इस अवार्ड शो की कामयाब एंकरिंग की। महात्मा गांधी रत्न अवार्ड से सम्मानित होने वालों में हिमांशु झुनझुनवाला, आरजे दिव्या सोलगामा, कैलाश मासूम, अविनेन्द्र आशुतोष, दिलशाद खान, गाज़ी मोईन, जयेश गोहिल, दलविंदर धीमन, पवन भारद्वाज, नासिर तगाले, देवेंद्र खन्ना, रितेश पाठक, मोहन राजपूत, पुष्कर ओझा, शैलेश पटेल, दिलीप पटेल, नवीन पाण्डेय, राजेश कुरील, भास्कर तिवारी, केवल कुमार, सुंदर मोरे, हिमाधु यादव , रमाकांत मुंडे, दिनेश परेसा, पंडित कमलेश उपाध्याय मधु मंगल दास कथा वाचक का नाम भी उल्लेखनीय है।कृष्णा चौहान फाउंडेशन (रजिस्टर्ड) के फाउंडर डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान ने कहा कि महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021 गांधी जी को श्रद्धांजलि पेश करने की एक कोशिश है। इस अवार्ड से समाज के ऐसे लोगों को पुरूस्कृत किया गया जिन्होंने आम जनता की भलाई, देश के विकास और समाज के हित के लिए काम किया है।

आपको बता दें कि बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान ने मेयर हॉल जूहू, मुम्बई में हाल ही में लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड २०२१ भव्य पैमाने पर आयोजित किया था। इस अवार्ड फंक्शन में बहुत सारी सेलेब्रिटीज़ ने शिरकत की। इस पुरस्कार समारोह में दादा साहेब फालके के ग्रैंडसन चंद्रशेखर पुसाल्कर भी चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद थे। साथ ही मशहूर संगीतकार अनु मलिक, पद्मश्री अनूप जलोटा, गजेंद्र चौहान, मुकेश ऋषि, एक्टर सिद्धार्थ निगम, अरुण बख्शी, अनिल नागरथ, एक्ट्रेस रागिनी द्विवेदी, नीलम पांडे, दीप्ति तिवारी, गीतकार सुधाकर शर्मा, निर्देशक आलोकनाथ दीक्षित, निर्देशक दिनकर कपूर, ब्राइट आउटडोर के सीएमडी डॉ योगेश लखानी को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया।उल्लेखनीय है कि केसीएफ प्रेजेंट्स लेजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड २०२१ इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार है। कृष्णा चौहान की ओर से २६ दिसंबर २०२१ को बोलीवुड लीजेंड अवार्ड २०२१ का आयोजन भी किया जाएगा।बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं।

स्कूल बसें चलाने के लिए लगाई कठोर शर्तें, नई एसओपी ने बढ़ाई बस ऑपरेटर्स के लिए मुश्किलें

मुंबई, सरकार द्वारा स्कूल खोलने की अनुमति के बाद बस ऑपरेटरों की परेशानी बढ़ गई है। परेशानी का कारण है नई एसओपी, जिसमें बसें चलाने के लिए कई शर्तें रखी हैं। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने ये एसओपी जारी की है, जिसमें बसों के भीतर का तापमान 24-30 डिग्री रखने, बसों को रोजाना सैनिटाइज करने, बसों में तापमान की जांच करने वाली मशीन और ये भी देखना की बच्चे बस में कचरा न करें जैसी शर्तें रखी हैं।

शर्तों से क्यों है परेशानी!

स्कूल बस ऑपरेटर्स के अनिल गर्ग ने बताया कि स्कूल बसें 13 सीटर से लेकर 50 सीटर वाली उपलब्ध हैं। स्कूलों में पहले से ही कम विद्यार्थी हैं, अब ऐसे में सोचिए कि एक सोसायटी से यदि 8 बच्चों को भी 13 सीट वाले बिठाना हो, तो दो वाहन लगेंगे। इन वाहनों को ऑपरेट करने से पहले और बाद में सैनिटाइज करना है। एक बार सैनिटाइज करने के बाद आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ता है, ताकि केमिकल का असर चला जाए। ऐसे में, समय पर बसें उपलब्ध कैसे होंगी? बसों के रख-रखाव की लागत भी बढ़ जाएगी।

ऑपरेटर्स को रखने होंगे मास्क

ट्रांसपोर्ट विभाग ने अपनी शर्तों में लिखा है कि ऑपरेटर्स को स्टॉक में कुछ मास्क भी रखने होंगे, ताकि कोई बच्चा भूल जाए, तो उसे दिया जा सके। बस ऑपरेटर्स के अनुसार स्कूली बसों में घर लौटते समय बच्चे मस्ती के मूड में होते हैं। ऐसे में, मास्क का ख्याल रखना, बच्चों से सभी शर्तों का पालन कराना कठिन काम है। बस ऑपरेटर्स का कहना है कि यदि बच्चे सरकारी परिवहन या किसी ओर माध्यम से स्कूल पहुंचे और संक्रमित हो जाएं, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? हालांकि, एसओपी में लिखा है कि बच्चे अनधिकृत स्कूली वाहनों से नहीं चलेंगे। सभी शर्तों का पालन करने के लिए पैरंट टीचर्स असोसिएशन, स्कूल प्रशासन और बस ऑपरेटर को शर्तनामे पर दस्तखत करने होंगे।

स्कूल बसों के लिए लगेगा समय

अनिल गर्ग के मुताबिक सरकार ने नई एसओपी जारी की है। इसमें जोड़ी गई शर्तों के बाद तो बसों का चलना और मुश्किल हो गया। स्कूल बसों में 50 फीसद से ज्यादा बच्चे नहीं बैठेंगे, बच्चों का तापमान इत्यादि चेक करना है, बसों को सैनिटाइज करना है। ये सभी शर्तें रखी हैं, लेकिन बसों की मरम्मत इत्यादि पर कोई बात नहीं की। अब भी अधिकांश स्कूलें दसवीं के बच्चों को ही बुला रही है। अहमदनगर इत्यादि में अब भी लॉकडाउन है। ऐसे में, बसें शुरू होने के बाद दोबारा बंद नहीं होंगी, इसकी गारंटी कौन देगा?

अभिभावकों की परेशानी

कालबादेवी में रहने वाले सौरभ वर्मा का कहना है कि उन्हें अपनी बच्ची को छोड़ने के लिए कोलाबा जाना पड़ता है, पहले स्कूल बस आती थी। बच्ची को स्कूल छोड़ने के बाद काम पर जाने के लिए निकलना होता है। कालबादेवी से अंधेरी के लिए बस पकड़नी पड़ती है, क्योंकि उन्हें दोनों टीके नहीं लगे हैं। सौरभ के अनुसार उनकी पत्नी छोटे बच्चे को लेकर बच्ची को वापस लेने स्कूल जाती हैं। इन तमाम परेशानियों के बाद लग रहा है ऑनलाइन सिस्टम ही ठीक था।

जलयुक्त शिवार का काम रोकने से मराठावाडा में भरा पानी-फडणवीस

मुंबई, राज्य के पर्यावरण वादियों को करारा जवाब देते हुए नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि मराठवाडा में जलयुक्त शिवार योजना की वजह से नहीं, बल्कि योजना का काम रोके जाने के कारण इलाके में भारी बारिश के बाद पानी भर गया। बता दें कि राज्य के कुछ पर्यावरण वैज्ञानिकों ने यह दावा किया था कि देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री काल में शुरू की गई जलयुक्त शिवार योजना के कारण नदियों के प्रवाह और नदियों के तटों से जो छेड़छाड़ की गई थी उसकी वजह से इस बार मराठवाडा में बाढ़ जैसे हालात बने। पर्यावरणविदों का यह भी कहना था कि जलयुक्त शिवार योजना को अवैज्ञानिक ढंग से लागू किया गया था। पर्यावरण वैज्ञानिकों के इस दावे के 3 दिन बाद देवेंद्र फडणवीस ने इसका जवाब दिया है। फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि महा विकास आघाडी सरकार ने जलयुक्त शिवार योजना को बंद कर दिया है, जिससे मराठवाडा के कुछ इलाकों में जलभराव हो गया है।

गायिका चांदनी वेगड़ मुंबई में 'महात्मा गाँधी रत्न अवार्ड -2021' से सम्मानित

गाँधी जयंती के अवसर पर गायिका चांदनी वेगड़ को 'महात्मा गाँधी रत्न अवार्ड -2021' द्वारा 'बेस्ट गायिका'अवार्ड' मिला

मुंबई /गुजरात। गाँधी जयंती के अवसर पर 'कृष्णा चौहान फाउंडेशन' के डायरेक्टर व फाउंडर डॉ. कृष्णा चौहान द्वारा 'महात्मा गाँधी रत्न अवार्ड - 2021' का आयोजन मुंबई के अँधेरी (वेस्ट) में स्थित मेयर हाल में 2 अक्टूबर 2021 किया गया, जोकि सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें गुजरात के जामनगर से राजकोट में सिफ्ट हुई युवा और टैलेंटेट गायिका चांदनी वेगड़ को 'महात्मा गाँधी रत्न अवार्ड -2021' द्वारा 'बेस्ट गायिका' का अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगीतकार अन्नू मालिक, गजेंद्र चौहान, मेहुल कुमार,अली खान, सुनील पाल, डॉ. भारती लव्हेकर, राज वेगड़,दिलीप पटेल इत्यादि सम्मानीय लोगों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम के शोभा बढ़ाया। अंत में चांदनी वेगड़ ने अवार्ड कमिटी को धन्यवाद देकर उनका आभार व्यक्त किया।

घर-घर जाकर बच्चों का हेल्थ डेटा बैंक तैयार कर रही है बीएमसी

मुंबई, बीएमसी 18 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य का डेटा बैंक तैयार कर रही है। इसके लिए बीएमसी घर-घर जाएगी। इसमें बीएमसी इलाकों में काम करने वाली स्वास्थ्य सेविकाओं सहित आशा वर्कर्स की मदद ली जाएगी। मुंबई में इस उम्र के बच्चों की संख्या 40 लाख से अधिक बताई जाती है।

बता दें कि कोरोना की पहली लहर में महामारी को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार ने 'मेरा परिवार, मेरी जिम्मेदारी' अभियान शुरू किया था। इस मुहिम के तहत स्वास्थ्य सेविकाओं, आशा वर्कर्स ने हर वॉर्ड में घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया था। इसमें नागरिकों के रोग, बुजुर्गों की बीमारियां और को-मॉर्बिड मरीजों की संख्या समेत कई तरह की जानकारियां जुटाई गई थीं।

'तीसरी लहर से निपटने में कारगर'

बीएमसी की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे बताया, 'बच्चों का यह स्वास्थ्य डेटा सभी इलाकों की डिस्पेंसरियों और स्वास्थ्य केंद्रों को भी उपलब्ध कराया जाएगा। तीसरी लहर में बच्चों को अधिक खतरे की चिंता के बीच यह डेटा बैंक बच्चों को कोरोना से बचाने के लिए कारगर साबित हो सकता है।'

सीरो सर्वे: 51% बच्चों में एंटीबॉडीज

बीएमसी की तरफ से बच्चों पर हाल में सीरो सर्वे कराया गया था। इस सर्वे में जो सैंपल लिए गए थे, उनमें 10 से 14 साल की उम्र के करीब 53.43 फीसद बच्चों में एंटीबॉडी पाई गईं चार साल तक के 51.04 फीसद बच्चों, 5 से 9 साल तक के 47.33 फीसद बच्चों और 15 से 18 साल के 51.39 फीसद बच्चों में एंटीबॉडी मिली थी। औसतन 51.18 फीसद बच्चों में एंटीबॉडी पाई गई हैं।

आर्यन को घसीटने वाला निकला भाजपाई!...नवाब मलिक का आरोप

मुंबई, मुंबई में एक क्रूज पर ड्रग्स पार्टी में छापेमारी के बाद बॉलीवुड एक्टर आर्यन खान सहित कई लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इस मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। राकांपा के प्रवक्ता नवाब मलिक ने कल एक प्रेस कॉन्प्रâेंस में एनसीबी की मौजूदा कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए उस पर भाजपा के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। मलिक ने कहा कि हिरासत में आखिर वैâसे आर्यन खान की सेल्फी वायरल हुई? यह जांच का विषय है। सेल्फी लेनेवाला शख्स कौन है? पता चला है कि वो गवाह है लेकिन सवाल यह है कि क्या कोई गवाह आरोपी के साथ तस्वीर खिंचवा सकता है? इतना ही नहीं, उस शख्स को आर्यन का हाथ पकड़ कर लाते हुए देखा गया है। फिर दिल्ली से खबर जारी की गई ये व्यक्ति एनसीबी का नहीं है। नवाब मलिक ने सवाल किया कि अगर यह व्यक्ति एनसीबी का नहीं है तो यह एक आरोपी को घसीटते हुए एनसीबी दफ्तर में वैâसे ले जा रहा था। एक और वीडियो है जिसमें एक व्यक्ति एक आरोपी को ले जा रहा है, पहले शख्स का नाम है के. वी. गोसावी जबकि दूसरे का नाम है मनीष भानुशाली है। यह भाजपा का उपाध्यक्ष है। इसकी तस्वीर देश के प्रधानमंत्री, अमित शाह और देवेंद्र फडणवीस जैसे कई नेताओं के साथ है। एनसीबी को बताना होगा कि इनका वहां क्या काम है? उन्होंने कहा कि रविवार को ८:३० बजे एनसीबी ने कुछ तस्वीरें मीडिया को जारी की थीं और दावा किया गया कि ये सभी चीजें क्रूज से बरामद हुई हैं जबकि फोटो क्रूज की नहीं हैं।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।